सब का सपना

निष्पक्ष व निडर-हिंदी दैनिक समाचार पत्र

महाभारत पर आमिर ने दी बडी अपडेट -पेजः 8

टी20 में साझेदारियों का महत्व भूल रहे हैं लोगः कोहली -पेजः 8

वर्षः 01 | अंकः 25 | मंगलवार- 29 अप्रैल 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्यः 4 रुपए

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली के 25 बस स्टैंड पर 'स्मार्ट वाटर डिस्पेंसर' लगाए जाएंगे

नयी दिल्ली (एजेंसी) गर्मियां बढ़ने के साथ ही दिल्ली सरकार के परिवहन विभाग ने 25 बस स्टैंड और 16 बस टर्मिनल पर 'स्मार्ट वाटर डिस्पेंसर' लगाने की योजना बनाई है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने हाल ही में 'वार्षिक गर्मी कार्य योजना' की घोषणा की जिसमें यात्रियों के लिए बस स्टैंड और 'कूल रूफ शेल्टर' में ठंडा पेयजल उपलब्ध कराना शामिल है। पायलट परियोजना के तहत 'स्मार्ट वाटर डिस्पेंसर' में प्रति घंटे 100 लीटर आरओ-फिल्टर किया हुआ स्वच्छ और ठंडा पेयजल उपलब्ध कराने की क्षमता होगी तथा कुल मिलाकर प्रतिदिन 800 लीटर पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। एआई-कैमरा से लैस वाटर कूलर आने-जाने वालों पर नजर रखेंगे और अधिक स्थानों पर सुविधा का विस्तार करने के निर्णय के लिए परिणाम उपलब्ध कराएंगे।

प्रस्ताव में कहा गया है, "इसमें वाटरप्रूफ डिजिटल स्क्रीन होगी और एआई सिस्टम को रिमोट मॉनिटरिंग के लिए डैशबोर्ड से जोड़ा जाएगा। स्मार्ट डिस्पेंसर में सार्वजनिक घोषणाएं करने की सुविधा होगी, लू चलने और अन्य सूचनाओं के बारे में अलर्ट प्रसारित किए जाएंगे।" दोनों परियोजनाओं के लिए निविदाएं जारी कर दी गई हैं और बस स्टैंड पर सात फुट ऊंचाई वाले डिस्पेंसर लगाने की लागत 2.10 करोड़ रुपये तथा टर्मिनल पर 72 लाख रुपये है। प्रस्ताव के अनुसार यह कार्य अगले 30 दिनों में पूरा किया जाना है।

भाजपा के वकील कैसे बन गए थरूर : उदित राज

नयी दिल्ली (एजेंसी) कांग्रेस नेता उदित राज ने पहलगाम आतंकी हमले के संदर्भ में पार्टी सांसद शशि थरूर की एक टिप्पणी को लेकर सोमवार को उन पर निशाना साधा और कहा कि आखिर वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वकील कैसे बन गए। थरूर ने रविवार को कहा था कि पहलगाम आतंकी हमले में कुछ चूक जरूर है, लेकिन अपनी बेहतरीन खुफिया सेवाओं के लिए विख्यात इजराइल का भी उदाहरण है जहां दो साल पहले बड़ा हमला हुआ था। उनका यह भी कहना था कि किसी भी देश के पास 100 प्रतिशत पुख्ता खुफिया सेवा (फूलप्रूफ इंटेलिजेंस) नहीं हो सकती।

कांग्रेस के प्रकोष्ठ 'असंगठित कामगार एवं कर्मचारी कांग्रेस' के अध्यक्ष उदित राज ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, "शशि थरूर ने कहा किसी देश के पास 100 प्रतिशत 'फुलप्रूफ इंटेलिजेंस' नहीं है। 26/11 के मुंबई हमले के समय (गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री) नरेन्द्र मोदी जी गुजरात से मुंबई पहुंचकर कहा था कि केंद्र सरकार की असफलता है। यह भी कहा था समस्या केंद्र है सीमा पर नहीं। कैसे आतंकी आए जब खुफिया, बीएसएफ, सीआरपीएफ केंद्र के पास है। थरूर जी मोदी जी से यह पूछना चाहिए।"

उनके अनुसार, सत्ता में कांग्रेस नहीं है फिर भी समय समय पर भाजपा आलोचना करती रहती है।

पूर्व सांसद ने कहा, "भाजपा के लोग कहते हैं कांग्रेस के समय आतंकवादी मार कर चले जाते थे तो क्या आपको यह पूछना नहीं चाहिए उरी, पठानकोट, पुलवामा और पहलगाम में मार कर कैसे चले गए?" उदित राज ने कटाक्ष करते हुए सवाल किया, "भाजपा सरकार ख़ुद सुरक्षा चूक मानी तो भाई थरूर जी आप कैसे उनके वकील बन गए?"

उन्होंने कहा, "2014 के लोकसभा के चुनाव के समय घर घर चर्चा होती थी एक बार मोदी जी प्रधानमंत्री बन जायें तो लाहौर तक घुस कर मारेंगे और पीओके ले ले लेंगे। आपको भाजपा से पूछना चाहिए क्या ऐसा हुआ?"

कांग्रेस नेता ने कहा कि थरूर ने प्रधानमंत्री मोदी की इस साल हुई अमेरिका यात्रा की तारीफ की थी।

भारत-फ्रांस ने अंतरसरकारी समझौते पर हस्ताक्षर किए

26 राफेल और खरेदगा भारत

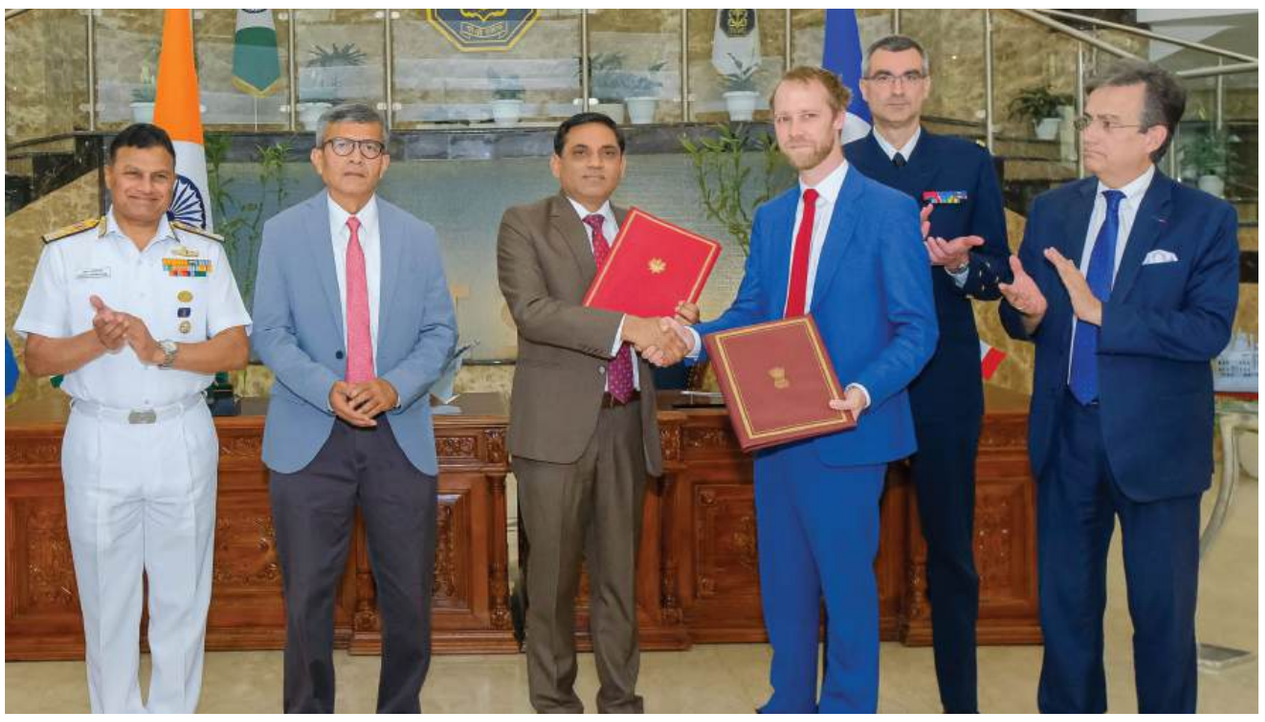

नयी दिल्ली (एजेंसी) भारत और फ्रांस ने सोमवार को भारतीय नौसेना के लिए लगभग 64,000 करोड़ रुपये की लागत से राफेल लड़ाकू विमानों के 26 नौसैनिक संस्करण खरीदने के वास्ते एक अंतर-सरकारी समझौते पर हस्ताक्षर किए।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार, इस समझौते में राफेल विमान के ढांचे के लिए उत्पादन सुविधा स्थापित करने के साथ-साथ भारत में विमान के इंजन, सेंसर और हथियारों के रखरखाव, मरम्मत और ओवरहालिंग सुविधाओं की स्थापना का प्रावधान है। बयान में कहा गया कि इस समझौते से भारत में स्वदेशी हथियारों के एकीकरण के लिए प्रौद्योगिकी हस्तांतरण में भी मदद मिलेगी। इन विमानों की आपूर्ति 2030 तक पूरी हो जाएगी, जिसके चालक दल को फ्रांस और भारत में प्रशिक्षण दिया जाएगा।

फ्रांस की कंपनी दसॉ एविएशन द्वारा निर्मित, राफेल-मरीन लड़ाकू विमान समुद्री क्षेत्र में पूर्ण रूप से संचालन में सक्षम है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीएस) द्वारा खरीद को मंजूरी दिए जाने के तीन सप्ताह बाद इस बड़े सौदे पर मुहर लगी। संदर्भ शर्तों के अनुसार, अनुबंध पर हस्ताक्षर होने के लगभग पांच वर्ष बाद जेट विमानों की आपूर्ति शुरू होनी होगी। जुलाई 2023 में रक्षा मंत्रालय ने कई दौर के विचार-विमर्श और मूल्यांकन परीक्षणों के बाद इस बड़े अधिग्रहण के लिए प्रारंभिक मंजूरी दे दी थी। इस सौदे के तहत भारतीय नौसेना को राफेल (मरीन) लड़ाकू विमानों के निर्माता दसॉ एविएशन से हथियार प्रणाली और कलपुर्जे सहित संबंधित सहायक उपकरण भी मिलेंगे।

रक्षा मंत्रालय ने कहा कि राफेल-मरीन और भारतीय वायु सेना (आईएएफ) द्वारा संचालित राफेल में समानताएं हैं।

उसने एक बयान में कहा, "राफेल-मरीन की खरीद से भारतीय नौसेना और भारतीय वायुसेना दोनों के लिए विमान प्रशिक्षण और रक्षा सामग्री को अनुकूलित करने के साथ-साथ संयुक्त परिचालन क्षमता में भी काफी वृद्धि होगी।" इसमें कहा गया, "इन विमानों के शामिल होने से भारतीय नौसेना के विमानवाहक पोतों की मारक क्षमता में काफी वृद्धि होगी।"

रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और फ्रांस के सशस्त्र बल मंत्री सेबेस्टियन लेकॉर्नू ने अंतर-सरकारी समझौते पर हस्ताक्षर किए। भारत और फ्रांस के अधिकारियों ने समझौते, विमान पैकेज आपूर्ति प्रोटोकॉल और हथियार पैकेज आपूर्ति प्रोटोकॉल की हस्ताक्षरित प्रतियों का आदान-प्रदान किया।

ओटीटी पर अश्लील सामग्री का प्रसारण 'बड़ी चिंता'; शीर्ष अदालत ने दिया केंद्र, अन्य को नोटिस

नयी दिल्ली (एजेंसी) ओटीटी और सोशल मीडिया मंचों पर अश्लील सामग्री के प्रसारण को सोमवार को एक 'बड़ी चिंता' करार देते हुए उच्चतम न्यायालय ने उनपर रोक लगाने के लिए उचित कदम उठाने का निर्देश देने का अनुरोध करने वाली एक याचिका पर केंद्र और अन्य को नोटिस जारी कर उनसे जवाब मांगा।

न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा कि इस मुद्दे से निपटने के लिए विधायिका या कार्यपालिका को उपाय करने हैं।

न्यायपालिका पर हाल के हमले की ओर परोक्ष रूप से इशारा करते हुए न्यायमूर्ति गवई ने कहा, ''यह हमारे अधिकार क्षेत्र में नहीं है। वैसे भी, ढ़ेर सारे आरोप लग रहे हैं कि हम विधायी और कार्यकारी शक्तियों का अतिक्रमण कर रहे हैं।'' केंद्र की तरफ से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि सरकार इसे वाद-प्रतिवाद के रूप में नहीं लेगी।

उन्होंने अदालत से कहा, '' कृपया यहां इस पर गौर करें। हम कुछ ऐसा लेकर आएंगे, जो अभिव्यक्ति की आजादी को संतुलित करेगा और जिसमें (अनुच्छेद) 19 (2) का भी ध्यान रखा जाएगा।'' मेहता ने कहा कि कुछ सामग्री न केवल अश्लील होती हैं बल्कि 'विकृत' भी। उन्होंने कहा कि वैसे तो इस संबंध में कुछ नियमन अस्तित्व में हैं, लेकिन कुछ और नियमन पर विचार किया जा रहा है। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने कहा कि यह कोई वाद-प्रतिवाद नहीं है और याचिका में सोशल मीडिया और ओवर-द-टॉप (ओटीटी) मंचों पर ऐसी सामग्री के प्रसारण पर गंभीर चिंता जताई गई है। जैन ने कहा कि ऐसी सामग्री बेरोक-टोक दिखायी जा रही है। न्यायमूर्ति गवई ने मेहता से कहा, ''श्रीमान सॉलिसिटर, आपको कुछ करना चाहिए।'' मेहता ने कहा कि अब बच्चों का इस तरह की सामग्री से अधिक पाला पड़ रहा है।

उन्होंने कहा, "नियमित कार्यक्रमों में दिखाई जाने वाली कुछ चीजें, फिर चाहे वह भाषा हो या विषय-वस्तु... न केवल अश्लील, बल्कि विकृत भी होती हैं।" मेहता ने कहा कि कुछ कार्यक्रम तो इतने विकृत होते हैं कि दो सम्मानित पुरुष भी एक साथ बैठकर नहीं देख सकते। उन्होंने कहा कि एकमात्र शर्त यह है कि ऐसे कार्यक्रम 18 साल से अधिक उम्र के दर्शकों के लिए हैं, लेकिन इन्हें नियंत्रित नहीं किया जा सकता। पीठ ने बच्चों के स्मार्टफोन का इस्तेमाल करने का जिक्र किया।

मेहता ने कहा, "वे (बच्चे) इस्तेमाल में माहिर हैं। यह अच्छी बात है, बशर्ते वे सही वेबसाइट पर जाएं।" पीठ ने कहा, "हमने उनसे (जैन से) पिछली तारीख पर ही कहा था कि इस मुद्दे से निपटने का काम या तो विधायिका का है या कार्यपालिका का।" पीठ का इशारा साफ तौर पर न्यायपालिका के खिलाफ उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद निशिकांत दुबे की टिप्पणियों की तरफ था।

जिला अधिशासी अभियंता द्वारा भाई की फर्म पर ठेकेदारी, मुख्य अभियंता उत्तर प्रदेश जल निगम ग्रामीण आर.बी राम का संरक्षण, उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल

» सब का सपना संवाददाता

लखीमपुर खीरी: जिला लखीमपुर खीरी में जल जीवन मिशन के अंतर्गत गंभीर भ्रष्टाचार का मामला प्रकाश में आया। जिला अधिशासी अभियंता योगेंद्र कुमार नीरज द्वारा अपने सगे भाई उपेंद्र कुमार नीरज के नाम पर फर्म अक्षिता कंस्ट्रक्शन के माध्यम से स्वयं ठेकेदारी की जा रही है। इस प्रत्यक्ष स्वार्थ के टकराव के चलते लाखों ग्राम वासियों के नाम पर फर्जी कनेक्शन स्थापित किए गए हैं, धरातल पर कार्य नदारद है, और केवल कागजों पर जल आपूर्ति दिखाई जा रही है। निर्माण कार्य की प्रगति से पहले ही भुगतान जारी कर दिए गए उच्च अधिकारियों की मिली भगत से करोड़ों रुपए का गबन किया गया। इस संबंध में सैकड़ों शिकायतें दर्ज हैं, जो इस व्यापक अनियमितता की ओर इशारा करती हैं। इन गंभीर अनियमितताओं के बावजूद, मुख्य अभियंता उत्तर प्रदेश जल निगम ग्रामीण आर.बी राम द्वारा जिला अधिशासी अभियंता को पूर्ण संरक्षण प्रदान किया जा रहा है। मुख्य अभियंता ने न केवल इस भ्रष्ट आचरण को अनदेखा किया है, बल्कि फर्जी जांच रिपोर्टें प्रस्तुत कर भ्रष्टाचार को उजागर करने वाले पत्रकारों पर फर्जी मुकदमे दर्ज करवाए हैं। यह कृत्य भ्रष्टाचार को दबाने और सच्चाई को सामने लाने वालों को डराने का स्पष्ट प्रयास है। इस संगठित भ्रष्टाचार के विरुद्ध पत्रकार अजीत सिंह सैनी ने जनहित याचिका के माध्यम से माननीय उच्च न्यायालय लखनऊ में गुहार लगाई है। इस महत्वपूर्ण मामले की पहली सुनवाई 24 अप्रैल 2025 को हुई, जिसमें माननीय उच्च न्यायालय ने जल निगम ग्रामीण को भी मामले में पक्षकार बनाने का आदेश दिया है। यह घटनाक्रम जल जीवन मिशन के तहत सार्वजनिक धन की लूट और मुख्य अभियंता उत्तर प्रदेश जल निगम ग्रामीण आर.बी राम द्वारा भ्रष्टाचार को संस्थागत रूप देने का जीता जागता प्रमाण है। उच्च न्यायालय द्वारा मामले का संज्ञान लेना यह दर्शाता है कि न्यायपालिका इस तरह के भ्रष्ट गठजोड़ को समाप्त करने और जनता के हितों की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है। अब सभी की निगाहें इस मामले पर टिकी हैं, जिससे लखीमपुर खीरी के निवासियों के साथ-साथ पूरे प्रदेश में पारदर्शिता और जवाबदेही की उम्मीदें जुड़ी हुई हैं।

भाजपा ने पहलगाम हमले पर कांग्रेस के कई नेताओं की टिप्पणियों को लेकर खरगे, राहुल से सवाल किया

नयी दिल्ली (एजेंसी) भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस के कई नेताओं की उन टिप्पणियों को लेकर सोमवार को मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी से सवाल किया, जिनमें पाकिस्तान के साथ युद्ध की आवश्यकता और आतंकवादियों द्वारा गैर-मुस्लिमों को निशाना बनाये जाने संबंधी पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों के बयान पर सवाल उठाया गया है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने विपक्षी पार्टी के नेतृत्व पर निशाना साधने के लिए कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया, महाराष्ट्र में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विजय वडेट्टीवार, कर्नाटक के मंत्री आर बी तिम्मापुर तथा राहुल गांधी के बहनोई रॉबर्ट वाद्रा सहित पार्टी के कई नेताओं के नाम लिए।

गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे का अपनी पार्टी पर कोई नियंत्रण नहीं है? या फिर उन दोनों ने औपचारिक टिप्पणियां कीं और दूसरों को अपनी मर्जी से बोलने की आजादी दी?''

प्रसाद ने कहा कि उनकी (कांग्रेस नेताओं की) टिप्पणियों का इस्तेमाल पाकिस्तान में, यहां तक कि वहां की मीडिया द्वारा भी भारत को बदनाम करने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब आतंकी हमले के बाद पूरी दुनिया भारत के साथ है, चाहे वह अमेरिका, फ्रांस हो या सऊदी अरब हो,- ये नेता इस तरह की शर्मनाक और गैरजिम्मेदाराना टिप्पणी कर रहे हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह असंवेदनशीलता की पराकाष्ठा है। उन्होंने कहा कि वडेट्टीवार और तिम्मापुर जैसे नेताओं ने कुछ पीड़ितों के इस बयान पर सवाल उठाया है कि आतंकवादियों ने गैर-मुसलमानों की पहचान की और फिर उन्हें गोली मार दी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष खरगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आतंकी हमले के बाद जवाबी कार्रवाई के लिए सर्वदलीय बैठक में सरकार को अपना समर्थन दिया था और कहा कि यह भारत के परिपक्व लोकतंत्र की ताकत को दर्शाता है। प्रसाद ने संवाददाताओं से कहा कि हालांकि, कई कांग्रेस नेताओं ने ऐसी टिप्पणियां की हैं जो एक पैटर्न का हिस्सा लगती हैं। उन्होंने आश्चर्य जताया कि क्या उनके नेतृत्व ने हमले के मद्देनजर महज औपचारिकता निभाने के लिए प्रतिक्रिया व्यक्त की।

कोतवाल अमित भदोरिया की मनमानी के चलते तिकुनियां पुलिस पर लग रहे सवालिया निशान

पीड़ित को कोतवाली लाने के बाद कमरे मे बंद कर रस्सी से बाध कर फिर पीटा

» सब का सपना संवाददाता

तिकुनियां खीरी: कस्बे में पैतृक संपत्ति विवाद के मामले में पहले युवक ने तिकुनियां कोतवाल पर रस्सी से बांध कर पीटने का आरोप लगाया जिसकी शिकायत विभागीय उच्चाधिकारियों से करने पर बौखलाए कोतवाल ने युवक के परिवार पर मुकदमा लिख दिया। पीड़ित परिवार ने सोमवार को पुलिस अधीक्षक से मिलकर अपने साथ हुई पुलिस की बर्बरता पूर्ण घटना की सम्पूर्ण दास्तां सुनाई जिसपर पुलिस अधीक्षक ने मामले की जांच करवाकर कार्यवाही करवाने का आश्वासन पीड़ित को दिया है।

कस्बे के गांव सुथना बरसोला निवासी जुनेद ने बताया कि उनके पिता व दादा की मृत्यु हो चुकी है कस्बे में उनकी एक पैतृक कपड़े की दुकान है जिसपर उनके चाचा जबरन कब्जा कर हथियाना चाहते है जिसका वाद भी न्यायालय में विचाराधीन है। पीड़ित ने बताया की बीते शुक्रवार को वह प्रतिदिन की तरह दुकान पर गया तो वहां पहले से मौजूद उसके चाचा अपने पुत्रों व दामाद समेत उससे वहां पर मारपीट व गाली गलौज कर दुकान से भगाने लगे और उन लोगों ने खुद ही मौके पर पुलिस को बुला लिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने दुकान में ताला डलवाकर दोनों पक्षों को कोतवाली ले गई जहां पहले से सांठ गांठ होने के चलते विपक्षियों को तुरंत छोड़ दिया गया और पीड़ित पक्ष के लोगों को कोतवाली में बिठा दिया गया। पीड़ित जुनेद अंसारी ने बताया कि कोतवाली प्रभारी ने उसको एक कमरे में ले जाकर रस्सी से बांधकर पीटा और एक पक्षीय कार्यवाही करते हुए पीड़ित व उसके भाई का शांति भंग में चालान कर दिया। पीड़ित

ने यह भी बताया कि कोतवाली प्रभारी ने पुनः दुकान पर जाने पर एनकाउंटर करने की धमकी भी दी है। तिकुनियां कोतवाल की मार से पीड़ित जुनेद अंसारी ने अपना इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र निघासन में कराया। पीड़ित जुनेद ने कोतवाल द्वारा अपने साथ किए गए अमानवीय कृत्य का प्रार्थनापत्र पुलिस क्षेत्राधिकारी निघासन को दिया।

आखिर अगले दिन क्यों दर्ज किया गया मुकदमा?

संपत्ति बंटवारे वाले विवाद में तिकुनियां पुलिस अपने ही कृत्यों से तरह तरह के सवालों के घेरे में फंसती चली जा रही है। जब घटना 25 अप्रैल को हुई तो फिर पुलिस ने सिर्फ शांति भंग में एक पक्षीय कार्यवाही करते हुए चालान क्यों किया? अगले दिन फिर क्या साबित करने के लिए पीड़ित युवक के परिवार के सात सदस्यों पर मुकदमा दर्ज किया? कहीं ऐसा तो नहीं कि 26 अप्रैल को करीब 12 बजे सीओ निघासन को अपने खिलाफ शिकायती पत्र दिए जाने से झुंझलाकर करीब 2 बजे मुकदमा दर्ज करवा दिया?

- पीड़ित ने तेजतर्रार ईमानदार पुलिस अधीक्षक के दरबार में लगायी न्याय की गुहार.
- पुलिस अधीक्षक ने दिया न्याय का आश्वासन होगी जाच

पुलिस के डलवाए गए ताले को किसके आदेश पर तोड़ा गया

पीड़ित जुनेद ने बताया कि घटना वाले दिन तिकुनियां पुलिस ने अपनी मौजूदगी में दुकान को विवादित बताकर ताला डलवा दिया था फिर किसके आदेश पर ताला तोड़ा गया पीड़ित का दावा है कि दोनों कृत्यों के वीडियो साक्ष्य भी उसके पास मौजूद है।

खीरी पुलिस के मुताबिक पारिवारिक विवाद में हुई मारपीट

खीरी पुलिस ने अपने सोशल मीडिया के एक्स अकाउंट पर पोस्ट किया की युवक को पारिवारिक विवाद में हुई मारपीट के दौरान चोट आयी है अब सवाल यह उठता है कि यदि युवक को परिवार के लोगों ने मारा पीटा तो पुलिस वहां खड़ी होकर क्या कर रही थी? जिसने भी युवक को मारा उसके खिलाफ पुलिस ने क्या कार्यवाही की? 25 अप्रैल को सिर्फ मार खाने वाले युवक व उसके भाई पर एक पक्षीय कार्यवाही करते हुए शांतिभंग में चालान क्यों किया गया, मारने वाले का क्यों नहीं?

हालांकि पीड़ित जुनेद को ईमानदार पुलिस अधीक्षक की कार्यशैली पर पूर्ण भरोसा है उन्होंने बताया कि उनके साथ न्याय अवश्य होगा फिर भी यदि किन्हीं कारणों से न्याय नहीं मिला तो पीड़ित परिवार समस्त साक्ष्यों के साथ मुख्यमंत्री दरबार में पेश होगा।

संपादकीय

पाक ने पाप स्वीकारे, कहा- पश्चिम के दबाव में आतंक को सींचा

पाक पोषित आतंकवादियों द्वारा अंजाम दिए गए पहलगाम के खौफनाक आतंकी हमले ने पूरी दुनिया के सामने पाकिस्तान को बेनकाब कर दिया है। भारत तथा अंतर्राष्ट्रीय दबाव के आगे लाचार हुए पाकिस्तान के सत्ताधीशों ने स्वीकार किया कि वे पिछले तीस साल से आतंक की फसल सींच रहे थे। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया कि पिछले तीस साल से पाक आतंकवादी तैयार करने का काम कर रहा था। साथ ही उन्होंने यह भी सफाई दी कि पाकिस्तान ने ये गंदा काम अमेरिका व ब्रिटेन जैसे देशों के कहने पर किया। सवाल यह है कि क्यों पाक ने एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में अपने नैतिक दायित्व का पालन नहीं किया? यह तथ्य किसी से छिपा नहीं कि पाकिस्तान ये काली करतूतें डॉलर की भूख मिटाने के लिये कर रहा था। साथ ही वह दुनिया के इस्लामी देशों का नेतृत्व हासिल करने के लिये इस कट्टरपंथ की फसल सींच रहा था। उसने पूरी दुनिया को दहलाने के लिये अपने आतंकी निर्यात किए। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ की यह स्वीकारोक्ति भारत द्वारा लंबे समय से लगाये जा रहे उन आरोपों की पुष्टि ही है, जिसमें पाक को आतंक की पाठशाला बताया गया था। भारत ने पूरी दुनिया को मुंबई के भीषण हमले, संसद पर हुए हमले तथा पुलवामा से लेकर उड़ी तक की आतंकवादी घटनाओं में पाक की संलिप्तता के सबूत बार-बार दिए, लेकिन अमेरिका व उसके सहयोगी देशों ने इसे अनदेखा ही किया।

निश्चित रूप से एक राष्ट्र के रूप में पाकिस्तान की विफलता जग-जाहिर हो गई है। पुलवामा हमले के बाद भारतीय कार्रवाई के जवाब में परमाणु बम से हमले की धमकी, सिंधु नदी को रक्त से भरने तथा कश्मीर मुद्दे के अंतर्राष्ट्रीयकरण जैसे अनाप-शनाप बयानों से स्पष्ट है कि वैश्विक व्यवस्था के प्रति पाक की क्या सोच है। इससे भी शर्मनाक घटना ब्रिटेन में सामने आई, जहां पाक उच्चायोग के सामने प्रदर्शन करने वाले भारतीयों को एक पाकिस्तान राजनयिक गला काटने का इशारा करता सूचना माध्यमों में नजर आया। उक्त राजनयिक पाकिस्तानी उच्चायोग में रक्षा सलाहकार के रूप में तैनात है। निश्चय ही यह राजनयिक स्तर पर एक शर्मनाक घटना है। साथ ही बताती है कि कैसे पाक सेना के उच्चाधिकारी एक जिहादी संगठन के सदस्य जैसा व्यवहार कर रहे हैं। इससे पाकिस्तानियों में भारतीयों के प्रति भरी घृणा ही उजागर होती है। भारत को इन तमाम मामलों को वैश्विक मंच पर उठाकर पाक पर कार्रवाई के लिये दबाव बनाना चाहिए। दुनिया को बताना चाहिए कि पुलवामा हमले से पहले कैसे पाकिस्तानी सेना के प्रमुख जनरल आसिम मुनीर ने कट्टरपंथियों जैसा भड़काऊ बयान दिया था। जिसके कुछ समय बाद ही पहलगाम जैसा भयानक आतंकी हमला सामने आया।

न्यायिक नियुक्ति आयोग के खात्मे का दर्द नहीं भूली केंद्र सरकार

» योगेंद्र योगी
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

सुप्रीम कोर्ट केंद्र सरकार की इस मंशा को भाप गया था। वर्ष 2015 में दिए गए फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने आयोग को असंवैधानिक बताते हुए निरस्त कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि जजों की नियुक्ति में न्यायपालिका की स्वतंत्रता को बनाए रखना महत्वपूर्ण है और न्यायिक आयोग इस स्वतंत्रता को खतरे में डालता है।

राज्यपाल और राष्ट्रपति के बिल रोकने के मामले में सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों से केंद्र सरकार से उत्पन्न टकराहट की जड़ में न्यायिक नियुक्ति आयोग पर दिया गया फैसला है। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की नियुक्ति को लेकर केंद्र सरकार द्वारा संसद में पारित किए गए न्यायिक नियुक्ति आयोग को निरस्त करते हुए सुप्रीम कोर्ट की कॉलेजियम व्यवस्था को जारी रखा था। इस आयोग के जरिए केंद्र सरकार चाहती थी कि न्यायाधीशों की नियुक्ति में उसकी भी भूमिका होनी चाहिए। अकेले सुप्रीम कोर्ट को यह हक नहीं होना चाहिए कि अपने चहेते न्यायाधीशों की नियुक्ति करे। केंद्र सरकार की न्यायिक आयोग बनाए जाने की मंशा यही थी कि महत्वपूर्ण मुद्दों पर उसके द्वारा चयनित न्यायाधीशों के मौजूद होने से पक्ष में फैसला होने की संभावना रहेगी। न्यायिक आयोग में सुप्रीम कोर्ट न्यायाधीशों के साथ केंद्र सरकार के प्रतिनिधियों का भी प्रावधान किया गया था।

सुप्रीम कोर्ट केंद्र सरकार की इस मंशा को भाप गया था। वर्ष 2015 में दिए गए फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने आयोग को असंवैधानिक बताते हुए निरस्त कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि जजों की नियुक्ति में न्यायपालिका की स्वतंत्रता को बनाए रखना महत्वपूर्ण है और न्यायिक आयोग इस स्वतंत्रता को खतरे में डालता है। इस फैसले पर भी खूब वाद-विवाद हुआ था। न्यायिक आयोग के जरिए केंद्र सरकार पर सुप्रीम कोर्ट में दखलंदाजी करने और इसे राजनीतिक अखाड़ा बनाने की बात कही गई थी। दूसरी तरफ न्यायिक आयोग की पैरवी करने वाले केंद्र सरकार के पैरवीकारों का कहना था कि न्यायाधीशों की नियुक्ति में भाई-भतीजावाद हावी है। आयोग के निरस्त होने का रंज केंद्र सरकार को अभी तक है। इसी वजह से राज्यपाल और राष्ट्रपति के बिल रोकने के मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले से केंद्र सरकार से छत्तीस का आंकड़ा बन गया है। तमिलनाडु बनाम राज्यपाल मामले में सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपाल की तरह राष्ट्रपति के लिए भी दी समय-सीमा बताई है।

सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में कहा कि राष्ट्रपति को राज्यपाल द्वारा सुरक्षित रखे गए विधेयकों पर 3 महीने के भीतर फैसला लेना होगा। राज्य राष्ट्रपति की निष्क्रियता के खिलाफ अदालत जा सकते हैं। इस अवधि से अधिक किसी भी देरी के मामले में, उचित कारणों को दर्ज करना होगा और संबंधित राज्य को बताना होगा। राज्यों से यह भी अपेक्षित है कि वे सहयोगात्मक बनें तथा उठाए जाने वाले प्रश्नों के उत्तर देकर सहयोग प्रदान करें तथा केंद्र सरकार द्वारा दिए गए सुझावों पर शीघ्रता से विचार करें। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद राजनीतिक बवंडर आ गया। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सुप्रीम कोर्ट के एक फ़ैसले को लेकर न्यायपालिका के बारे में सख्त टिप्पणी कर दी।

उन्होंने कहा कि अदालतें राष्ट्रपति को आदेश नहीं दे सकतीं। उप राष्ट्रपति ने इसकी ओर इशारा करते हुए कहा कि संविधान का अनुच्छेद 142 एक ऐसा परमाणु मिसाइल बन गया है जो लोकतांत्रिक ताक़तों के खिलाफ न्यायपालिका के पास चौबीसों घंटे मौजूद रहता है। उन्होंने कहा कि देश में ऐसी स्थिति नहीं हो सकती कि आप राष्ट्रपति को निर्देश दें। सुप्रीम कोर्ट को ये अधिकार किसने दिया है और वो किस आधार पर ऐसा कर सकता है।

गौरतलब है कि संविधान का अनुच्छेद 142 सुप्रीम कोर्ट को ये अधिकार देता है कि वो पूर्ण न्याय करने के लिए कोई भी आदेश, निर्देश या फ़ैसला दे सकता है चाहे वो किसी भी मामले में क्यों न हो। लेकिन उप राष्ट्रपति ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट सिर्फ संविधान की व्याख्या कर सकता है। धनखड़ ने कहा कि हमारे पास ऐसे जज हैं जो अब कानून बनाएंगे, कार्यपालिका का काम करेंगे और एक सुपर संसद की तरह भी काम करेंगे और कोई जिम्मेदारी नहीं लेंगे, क्योंकि इस देश का क़ानून उन पर लागू तो होता नहीं। उप राष्ट्रपति ने हाई कोर्ट के जज यशवंत वर्मा के दिल्ली आवास से कथित तौर पर जले नोट मिलने के बाद भी एफआईआर दर्ज न होने पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि ये घटना किसी आम आदमी के घर में होती तो बिजली की गति से कार्रवाई होती। लेकिन यहां तो बैलगाड़ी की रफ्तार से भी कार्रवाई नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि विधानसभा का चुनाव हो या लोकसभा का हर सांसद, विधायक और उम्मीदवार को अपनी संपत्ति घोषित करनी होती है लेकिन वे (जज) ऐसा कुछ नहीं करते।

इस पर पलटवार करते हुए डीएमके राज्यसभा सांसद तिरुचि शिवा ने कहा कि संविधान की रक्षा करने का अधिकारी होने से किसी व्यक्ति को ये अधिकार नहीं मिल जाता कि वो संसद में पारित विधेयकों को अनिश्चित काल तक रोक कर रख सकता है।

मुद्दा

जब द्विराष्ट्र सिद्धांत पर पाकिस्तान अटल, तो भारत ढुलमुल क्यों और कबतक हिन्दू चुकाएंगे इसकी कीमत!

» कमलेश पांडे

जब द्विराष्ट्र सिद्धांत पर 1947 में भारत विभाजन अधिनियम द्वारा भारत से पाकिस्तान को दो हिस्सों में अलग कर दिया गया, तब भारत के सुप्रीम कोर्ट ने इसका विरोध क्यों नहीं किया, यक्ष प्रश्न है! वहीं, जब भारत के तत्कालीन क्षुद्र राजनेताओं ने हिन्दू राष्ट्र की जगह धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र का गठन किया, तब भी सुप्रीम कोर्ट ने इस सवाल क्यों नहीं उठाया, यह दूसरा ज्वलंत प्रश्न है।.....और आज जब भारत में मुसलमानों द्वारा पुनः हिंदुओं को जगह-जगह प्रताड़ित किया जा रहा है, लक्षित सांप्रदायिक दंगे किये जा रहे हैं जिससे 1947 के पूर्व की विभाजनकारी परिस्थितियों की यादें तरोताजा हो जाती हैं और भारत के राजनेता इस पर अपनी-अपनी सियासी रोटियां सेंक रहे हैं, जिससे भारतीय प्रशासन भी किंकर्तव्यविमूढ़ बना रहता है, तो ऐसे में सुप्रीम कोर्ट स्वतः संज्ञान नहीं लेकर न्यायपूर्ण दिशा निर्देश क्यों नहीं दे रहा है, यह तीसरा सुलगता हुआ सवाल है। दरअसल, यह बात मैं इसलिए उठा रहा हूँ कि सुप्रीम कोर्ट ने एक निर्णय दिया है कि भारत के धर्मनिरपेक्ष स्वरूप को भारतीय संसद भी नहीं बदल सकती है। क्योंकि भारतीय संविधान की यही मूल भावना है। लेकिन जब हमारी तत्कालीन संसद ने मूर्खतापूर्ण निर्णय लिए, और उसी ने भारतीय संविधान में भी 'हिन्दू विरोधी कानून' जड़ दिए, तब इसमें तल्ख इतिहास और सुलगते हुए वर्तमान के दृष्टिगत सुप्रीम कोर्ट से न्यायसंगत और दूरदर्शिता पूर्ण हस्तक्षेप की उम्मीद नहीं की जाए तो फिर किससे की जाए, यह भी एक यक्ष प्रश्न है। ऐसा इसलिए कि हमारी संसद में हिन्दू नहीं बल्कि दलित, ओबीसी, सवर्ण और अल्पसंख्यक नेता बैठे हैं। 8 दशकों के इनके फैसलों से यह जाहिर हो रहा है कि 'हिन्दू भारत' के अस्तित्व को खास धर्म के आधार पर पाकिस्तान, पूर्वी पाकिस्तान यानी बंगलादेश, चीन आदि देशों के द्वारा वैमनस्यता पूर्ण चुनौती दी जा रही है, कभी आतंकवाद, कभी नक्सलवाद, कभी संगठित अपराध और तस्करी के माध्यम से भारतीयों को अशांत बनाया जा रहा है, लेकिन इन सबके खिलाफ इनके ठोस नीतिगत निर्णय कभी नहीं आए, जिससे हिंदुओं का भविष्य अपने ही देश में अधर में लटक चुका है। लिहाजा भारतीय कार्यपालिका की विफलता के बाद सर्वोच्च न्यायपालिका से स्वतः संज्ञान लेकर स्थिति को बदलने की अपेक्षा यदि नहीं की जाए, तो फिर किससे की जाए, सुलगता हुआ सवाल है। वह भी तब, जब पाकिस्तानी जनरल और नेता बात-बात में कौम की बात करके भारत के मुसलमानों को भड़काने की कोशिश करते आए हों। वहीं भारत के कतिपय मुसलमान भी खुलेआम पाकिस्तानियों, बंगलादेशियों और आतंकियों के यशोगान पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई की शह पर कर रहे हों, जैसा कि मीडिया रिपोर्ट्स से पता चलता है। ऐसे में इन देशद्रोहियों के खिलाफ स्पष्ट कानून का अभाव भी हिंदुओं को खटकता रहता है। देश में बढ़ती आतंकवादी घटनाएं, नक्सली घटनाएं और अंडरवर्ल्ड के संगठित अपराध और तस्करी की घटनाएं हिंदुओं की इस चिंता को और भी इसलिए बढ़ाती हैं, क्योंकि इन सबकी कमान पाकिस्तान में बैठे अंडरवर्ल्ड सरगना दाऊद इब्राहिम जैसे खूंखार लोगों के हाथों में है।

पर्सनालिटी

रोमांस और अदाकारी के बादशाह थे शशि कपूर, 40 साल तक किया इंडस्ट्री पर राज

अपने जमाने के स्मार्ट और सबसे हाईएस्ट पेड एक्टर्स की लिस्ट में शामिल अभिनेता शशि कपूर का 18 मार्च को जन्म हुआ था। कई ब्लॉकबस्टर देने वाले अभिनेता शशि कपूर एक समय पर लाखों-करोड़ों दिलों की धड़कन हुआ करते थे।

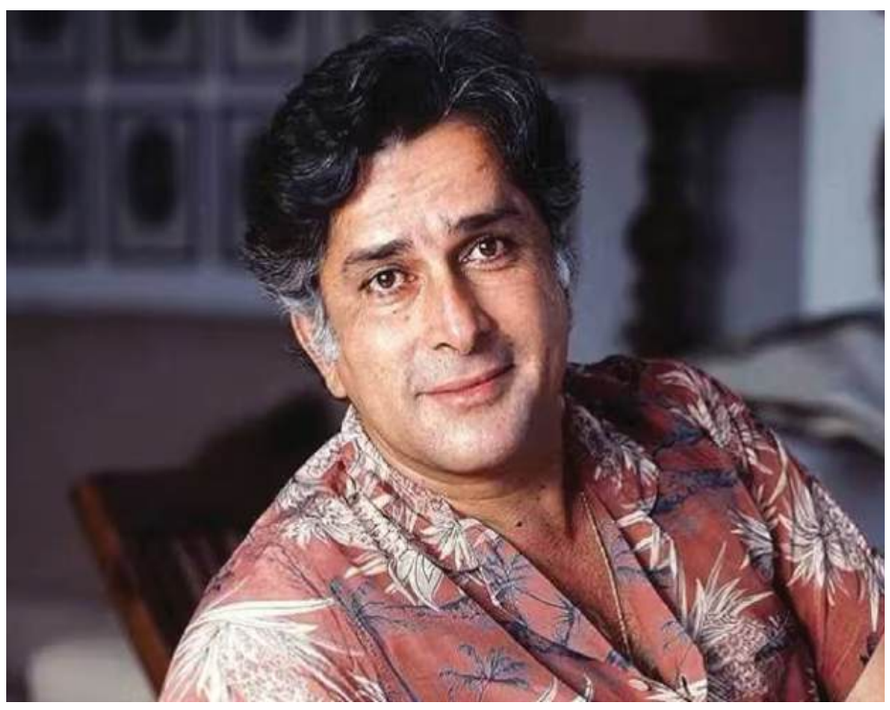

बॉलीवुड के फेमस अभिनेता रहे शशि कपूर का 18 मार्च को जन्म हुआ था। उन्होंने बॉलीवुड को कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं। एक समय पर शशि कपूर ने करोड़ों दिलों पर राज किया था। उन्होंने करीब 100 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। जिनमें से अधिकतर फिल्में हिट रही हैं। वहीं साल 1998 में आई फिल्म 'साइड स्ट्रीट' शशि कपूर की आखिरी फिल्म थी। तो आइए जानते हैं उनकी बर्थ एनिवर्सरी के मौके पर अभिनेता शशि कपूर के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म और परिवार

कोलकाता में 18 मार्च 1938 को शशि कपूर का जन्म हुआ था। उनकी दादी ने अपने पोते का नाम बलबीर राज कपूर रखा था। लेकिन उनकी मां को यह नाम नहीं पसंद था, इसलिए वह उन्हें शशि कहकर बुलाती थीं। बाद में वह इसी नाम से फेमस हो गए। शशि कपूर फिल्मी बैकग्राउंड से ताल्लुक रखते थे, इसलिए वह बचपन से ही बाल कलाकार के रूप में काम करना शुरूकर दिया था।

फिल्मी करियर

बता दें कि अभिनेता शशि कपूर ने बचपन में 'आग', 'तदबीर', 'संग्राम' और 'आवारा' जैसी फिल्मों में काम किया था। उनकी पहली बड़ी फिल्में 'धरमपुत्र' थी। इसके बाद वह 'दीवार', 'नमक हलाल', 'सत्यम शिवम सुंदरम' और 'जब जब फूल खिले' जैसी सुपरहिट फिल्मों में काम किया। वहीं साल 1971 में में पिता की मृत्यु के बाद उन्होंने अपनी पत्नी जेनिफर के साथ मिलकर मुंबई में पृथ्वी थिएटर शुरू किया था।

वहीं साल 1977 में शशि कपूर ने अपनी कंपनी 'फिल्मवालाज' बनाई थी। लेकिन कई सुपरहिट फिल्में देने वाले शशि कपूर के जीवन में एक दौर ऐसा भी रहा, जब उनके सफल करियर पर ग्रहण लग गया। उनको इंडस्ट्री में काम मिलना बंद हो गया। काम न मिलने की वजह से आलम ये हो गया कि घर चलाने के लिए भी पैसे नहीं बचे। तब घर चलाने के लिए अभिनेता ने अपनी पसंदीदा स्पोर्ट्स कार तक बेच दी। वहीं आर्थिक तंगी की वजह से अभिनेता को अपनी पत्नी जेनिफर के गहने तक बेचने पड़े।

70 के दशक में चमका सितारा

बता दें कि एक बार फिर शशि कपूर की किस्मत ने करवट ली और 70 के दशक में वह ऐसा सितारा बनकर इंडस्ट्री में उभरे कि उनके आगे बड़े-बड़े स्टार्स फीके पड़ गए। उन्होंने एक बार फिर सुपरहिट फिल्मों की लाइन लगा दी। हालांकि इस दौरान अभिनेता की कुछ विवादित फिल्में भी रहीं।

सम्मान

अभिनेता शशि कपूर को साल 2011 में पद्म भूषण और फिर साल 2014 में उनको दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

मृत्यु

अपने जमाने के स्मार्ट और सबसे हाईएस्ट पेड एक्टर्स की लिस्ट में शामिल अभिनेता शशि कपूर ने 04 दिसंबर 2017 को इस दुनिया को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया था।

30 अप्रैल का इतिहास

29 अप्रॅल की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

1997 - रासायनिक हथियारों पर प्रतिबंध लागू।
1999 - बच्चों के यौन शोषण पर रोक संबंधी विधेयक जापानी संसद में मंजूर।
2006 - पाकिस्तान ने हत्फ़-6 का परीक्षण किया।
2007 - आस्ट्रेलिया ने लगातार तीसरी बार क्रिकेट विश्वकप जीता।
2008 - ईरान के राष्ट्रपति महमूद अहमदी नेजाद एक संक्षिप्त यात्रा पर भारत पहुँचे।
तिब्बत में मार्च 2008 में भड़की हिंसा के सिलसिले में एक स्थानीय अदालत ने 17 लोगों को 3 साल की क़ैद की सज़ा सुनाई।
2010 - भारत ने दुश्मनों के रडार की पकड़ में नहीं आने वाले मुंबई की मंझगांव गोदी में निर्मित आधुनिकतम उपकरणों से लैस युद्धपोत आईएनएस शिवालिक को नौसेना में शामिल किया। पहले पोत 'आईएनएस शिवालिक' को नौसेना में शामिल किया।

29 अप्रॅल को जन्मे व्यक्ति

1983 - लावू श्री कृष्णा देवरायालू - वाई. एस. आर. कांग्रेस पार्टी के राजनीतिज्ञ हैं।
1965 - दीपिका चिखालिया - रामानन्द सागर के सीरियल 'रामायण' में सीता की भूमिका निभाकर प्रसिद्धि पाने वाली अभिनेत्री हैं।
1946 - अजीत जोगी - भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राजनीतिज्ञ, जो छत्तीसगढ़ के पहले मुख्यमंत्री रहे हैं।
1938 - ई. अहमद -एक राजनेता के रूप में भारत के दसवीं लोकसभा, ग्यारहवीं लोकसभा, बारहवीं लोकसभा, तेरहवीं लोकसभा और पंद्रहवीं लोकसभा सांसद के सदस्य रह चुके हैं।
1936 - ज़ुबिन मेहता - भारत सरकार द्वारा 'पद्म भूषण' से सम्मानित प्रसिद्ध भारतीय संगीत निर्देशक।
1919 - अल्ला रक्खा ख़ाँ, सुविख्यात तबला वादक, भारत के सर्वश्रेष्ठ एकल और संगीत वादकों में से एक
1848 - राजा रवि वर्मा, विख्यात चित्रकार
1547 - भामाशाह - मेवाड़ के महाराणा प्रताप के मित्र, सहयोगी और विश्वासपात्र सलाहकार।
1946- अजीत जोगी- छत्तीसगढ़ के पहले मुख्यमंत्री।

29 अप्रॅल को हुए निधन

2020 - इरफ़ान ख़ान - भारतीय हिन्दी सिनेमा और टेलीविजन के प्रसिद्ध अभिनेता थे।
2010 - कमलादेवी शुक्ला, गायत्री मण्डल की संस्थापक सदस्या एवं समाज सेविका।
2000 - चिन्तामणी पानिग्रही - भारतीय स्वतंत्रता सेनानी और उड़ीसा के राजनीतिज्ञों में से एक थे।
1999- केदार शर्मा - भारतीय फ़िल्म निर्देशक, निर्माता, पटकथा लेखक और हिंदी फ़िल्मों के गीतकार
1997 - आर. एन. मल्होत्रा - भारतीय रिज़र्व बैंक के सत्रहवें गवर्नर
1988 - बृष भान - भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राजनीतिज्ञ और स्वतंत्रता सेनानी थे।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

संक्षिप्त समाचार

75 पटाखे छोड़ने वाले साइलेंसर पर चलाया गया बुलडोजर

» सब का सपना संवाददाता

संभलः पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार के कुशल निर्देशन में व क्षेत्राधिकारी यातायात संतोष कुमार व यातायात प्रभारी प्रमोद मान की मौजूदगी में 75 पटाखे छोड़ने वाले साइलेंसर पर बुलडोजर चलाया गया तथा इस्लामनगर चौराहे से चारों तरफ 70 मीटर की परिधि निर्धारित की गई तथा वहां से अतिक्रमण हटवाया गया। सभी ठेले वालों इत्यादि को हिदायत दी गई कि चौराहा पर 70मीटर की परिधि में अतिक्रमण नहीं होगा। इसके अतिरिक्त कस्बा संभल में हेवी कमर्शियल वाहनों के लिए वन वे व्यवस्था चालू कराया गया है, जिसमें चौधरी सराय से अंदर कस्बा संभल में जाने वाले हेवी ट्रैफिक को डायवर्सन करके ख़ग्गुपुरा बाईपास से होकर रास्ता दिया जा रहा है। वाजिद पुरम बाईपास से चंदौसी चौराहा तक हेवी ट्रैफिक की नो एंट्री की व्यस्था लागू की गई है। मुरादाबाद और चंदौसी से आने वाला हेवी ट्रैफिक चंदौसी बाईपास से होता हुआ चंदौसी चौराहा से चौधरी सराय चौराहा को बहजोई ,गवां और गजरौला को जाने दिया जा रहा है ।

जिलाधिकारी ने किया सीएचसी हसनपुर का निरीक्षण, अभियान चला कर झोलाछाप के खिलाफ कार्रवाई किए जाने के दिए निर्देश

चिकित्सालय में प्रशिक्षु डॉक्टर और सभी सुविधा होने के बावजूद कम डिलीवरी होने पर MOIC पर जताया नाराजगी

» सब का सपना संवाददाता

अमरोहा: जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा सीएससी हसनपुर का मौके पर जाकर निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने महिला वार्ड औषधि वितरण कक्ष हेल्थ एटीएम एक्सरे पैथोलॉजी ओपीडी कोल्ड चैन और आयुष्मान वार्ड एनबीएसयू रूम में पहुंच कर संबंधित डॉक्टर से आवश्यक जानकारी ली । इस अवसर पर जिलाधिकारी ने MOIC हसनपुर से रजिस्ट्रेशन के सापेक्ष कितनी डिलीवरी की गई जानकारी ली । सरकारी अस्पताल में सभी सुविधाओं होने के बावजूद कम डिलीवरी होने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई और झोलाछाप डॉक्टर पर अभियान चलाकर कार्रवाई करने के निर्देश दिया । कहा कि सरकारी चिकित्सालय में प्रशिक्षु डॉक्टर है अच्छी सुविधा है सरकार द्वारा पैसा भी दिया जा रहा है फिर भी डिलीवरी कम क्यों हो रही है। कहा की आशा कि मानीटरिंग और झोलाछापों पर कार्रवाई कर सुधार किया जाए । कहा जो आशा ठीक से कार्य नहीं कर रही हैं उन पर कार्रवाई भी करें। तत्पश्चात जिलाधिकारी ने टीवी के मरीजों के बारे में जानकारी ली और अधिक से अधिक मरीजों की जांच कराए जाने के निर्देश दिये। कहा जो टीवी के मरीज निकल कर आ रहे हैं उनका इलाज किया जाए और प्रतिदिन मॉनिटरिंग किया जाए, की दवाई ले रहे हैं या नहीं । जिलाधिकारी ने कहा कि ओपीडी की संख्या बहुत कम है इसको बढ़ाया जाए। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने ANC वार्ड में भर्ती गर्भवती महिलाओं से भी बातचीत किया और समय से दवाएं खाना पानी व अन्य स्वास्थ्य सुविधाएं मिल रही हैं या

- चिकित्सालय में प्रशिक्षु डॉक्टर और सभी सुविधा होने के बावजूद कम डिलीवरी होने पर MOIC पर जताया नाराजगी

नहीं जानकारी ली । डिलीवरी वाली महिलाओं से बातचीत किया और बच्चे का विशेष ध्यान रखने के प्रति निर्देशित किया। औषधि वितरण कक्ष में पहुंचकर दवाओं की उपलब्धता की जानकारी ली और उपस्थित मरीजों से सभी दवाएं मिल रही हैं या नहीं बाहर दवाएं तो नहीं लिखी जा रही हैं कोई पैसा तो नहीं लिया जा रहा है संबंधी जानकारी ली । जिलाधिकारी ने फैमिली प्लैनिंग डिलीवरी वाली महिलाओं पैथोलॉजी एक्स रे कक्ष में पहुंचकर प्रतिदिन किए जाने वाले जांच और एक-रे की जानकारी लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिया । कोल्ड चेन में पहुंचकर अपने सामने तापमान की माप कराकर देखा और निर्देशित किया कि ताप मान का ध्यान रखा जाए कोई लापरवाही ना हो । जिलाधिकारी ने हेल्थ एटीएम का निरीक्षण कर निर्देशित किया कि सभी की जाने वाली आवश्यक जांच हेल्थ एटीएम से हो और सक्रिय रूप से कार्य करना चाहिए । जिलाधिकारी ने MOIC को निर्देशित करते हुए कहा कि यह सुनिश्चित करें कि सभी वार्डों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिले डॉक्टर समय से बैठे और मरीजों को देखें कोई भी लापरवाही नहीं होनी चाहिए जन सामान्य को अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं मिले यह ध्यान रखें । इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सत्यपाल परियोजना निदेशक अमरेंद्र प्रताप सहित संबंधित अधिकारी डॉक्टर मौजूद रहे ।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में स्कूल के छात्रों और शिक्षकों द्वारा निकाली गई मौन रैली

» सब का सपना संवाददाता

बहजोई/संभलः सिल्वर स्टोन पब्लिक स्कूल बहजोई द्वारा जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकी हमले के विरोध में छात्रों और शिक्षकों द्वारा मौन रैली का आयोजन किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य संदीप शर्मा ने सभी विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए बताया कि इस मौन रैली का उद्देश्य पहलगाम के मृतकों के परिजनों को शांति की प्रार्थना एवं आतंकवाद के विरोध में प्रदर्शन करना है। आज इस रैली में हजारों की संख्या में विद्यार्थियों के झुके हुए चेहरे यह बता रहे थे कि "आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, इंसानियत ही सबसे बड़ा धर्म है। नगर व जिले के सम्मानित लोगों ने भी विरोध प्रदर्शन में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष अनामिका यादव, मंजू दिलेर, राजेश शंकर राजू, आलोक गोयल, बसंत शंकर, भुवनेश कुमार, ऋषि वार्ष्णेय, शशांक, जितेंद्र यादव, विपिन कुमार, आधार रस्तोगी, वैभव शंकर, चिराग, यश कठेरिया, साधना गुप्ता आदि लोग मौजूद रहे।

महिला उत्पीड़न की रोकथाम के लिए चलाया जा रहा निरीक्षण/जनसुनवाई कार्यक्रम

» सब का सपना संवाददाता

अमरोहा :जिला प्रोबेशन अधिकारी अमरोहा ने जानकारी देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश महिला आयोग द्वारा प्रदेश में महिला उत्पीडन की रोकथाम एवं पीडित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाये जाने तथा आवेदक / आवेदिकाओं को सुगमता की दृष्टि से जनपद अमरोहा में महिला उत्पीडन की घटनाओं की समीक्षा / महिला जनसुनवाई / निरीक्षण का कार्यकम चलाया जा रहा है। अतः उक्त के क्रम में जनपद अमरोहा में अप्रैल में दिनांक 30.04.2025 को पूर्वान्ह 11:00 बजे विकास भवन सभागार कक्ष अमरोहा में उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्या संगीता जैन द्वारा उपस्थित महिलाओ द्वारा प्रस्तुत नवीन प्रार्थना पत्रों पर महिला जनसुनवाई की जानी हैं एवं तत्पश्चात सामुदायिक / प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तथा बालिका / महिला गृह व आंगबाडी केन्द्र का निरीक्षण किया जाना है।

गेहूं तौल में घटतौली कर रहे खरीददार, निघासन एसडीएम ने लगाई फटकार

सिंगाही थाने में जांच के दिए निर्देश, पुलिस मामले को निपटने में लगी हुई

» सब का सपना संवाददाता

सिगाही । खीरी थाना क्षेत्र में बिजनौर से गेहूं खरीदने आये बिचौलियो ने किसानों के साथ तौल में घटतौली की जिससे गुस्साए किसानों ने खरीददार व तौल कर रहे आधा दर्जन से ज्यादा मजदूरों को पुलिस के हवाले कर दिया । आरोप है कि पुलिस ने घटतौली कर रहे लोगो मामले को मैनेज कर रात में ही छोड़ दिया । आक्रोशित किसानों ने एसपी से शिकायत करने की बात कही ।

बिजनौर से गेहूं की खरीद करने आये बिचौलिए ने किसानो के साथ घटौली कर रहे गेहूं खरीदार व तौल कर रहे आधा दर्जन मजदूरों को पुलिस के हवाले किया, सिंगाही पुलिस ने तिकुनिया मंडी में सूचना दी,सूचना पर पहुंचे मंडी अभिरक्षक ने घाटतौली कर रहे गेहूं खरीदारों से 20255 रुपये का जुर्माना वसूल किया है,दो गेहूं खरीदार व गेहूं से लदी डीसीएम को पुलिस ने अपने कब्जे में लिया,रविवार को ग्राम सिंगहा खुर्द मे गेहूं खरीद के दो व्यापारी अपने आधा दर्जन पल्लेदार व एक डीसीएम यूपी 31एटी 1998 लेकर गांव में किसनो से गेहूं की खरीद कर रहे थे,गांव के ही इसरार अली का आरोप है कि गेहूं व्यापारी असलम पुत्र अख्तर यासीन पुत्र बशीर निवासी बिजनौर गेहूं कीखरीदकरते समय एक कुंतल की तौल पर 13 किलो अधिक गेहूं

की तौल कर रहे थे,गेहूं तौलकर रहे किसानों को जब इसकी भनक लगी तो उन्होंने घटकौली कर रहे व्यापारी का विरोध करना शुरू कर दिया,जिसपर खरीदार लड़ाई झगड़ा पर अमादा हो गया और जान से मारने की धमकी देने लगा तो ग्रामीणों ने उसको पकड़ कर थाने ले आए और पुलिस की सुपुर्द कर दिया,सिंगाही पुलिस ने सारे मामले की जानकारी तिकुनिया मंडी को दी,सूचना पर मंडी अभिरक्षक बसंत लाल मौके पर पहुंचे , अभिरक्षक ने खरीदार से 20255 का राजस्व का जुर्माना की रसीद काटीहै दोनों व्यापारियों और डीसीएम को पुलिस ने अपने कब्जे में लिया है, डीसीएम में करीब 48 कुंतल गेहूं भारत है जो पुलिस के कब्जे मे है,, एसडीएम ने जुर्माने के साथ तौल में गड़बड़ी करने वाले लोगों पर दिया था रिपोर्ट दर्ज करने का निर्देश, सूत्रों के मुताबिक मामले में पुलिस ने एक किसान से मिलकर किया बड़ा खेल,अन्य ठगी के शिकार हुए किसानो को थाने से बाहर हटाकर एक किसान से रात में लिखवाया सुलह समझौता,जिसके बाद थाने में तैनात दरोगा आकाश भाटी ने तौल में गड़बड़ी करने वाले लोगों को सेटिंग गेटिंग करके रात में ही थाने से छोड़ा,अन्य किसानों में आक्रोश, एसपी से होगी मामले की शिकायत।

- उपजिलाधिकारी निघासन

एसडीएम राजीव निगम ने बताया मामले की जांच की बाहर के व्यापारियों के द्वारा किसानों से घाटतौली करने की सूचना मिली है घटतौली की जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी।

जिलाधिकारी ने जीरो पावर टी कैंप में पहुंचकर कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिला है या नहीं ली जानकारी

» सब का सपना संवाददाता

अमरोहा: जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा विकासखंड जोया के ग्राम बरखेड़ा राजपूत के प्राथमिक विद्यालय में जीरो पावरटी के परिवारों के सत्यापन के दृष्टिगत आयोजित कैंप में पहुंचकर परिवारों से सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिला है या नहीं जानकारी ली। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने राशन बिजली सड़क मनरेगा आयुष्मान किसान सम्मान निधि पानी शौचालय सहित अन्य योजनाओं के लाभार्थियों से बातचीत कर प्राथमिकता के साथ सरकार की सभी महत्वपूर्ण योजनाओं से लाभान्वित किए जाने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारी को दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि जीरो पावर टी के तहत जिन परिवारों को सर्वे किया गया है उन परिवारों को सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं से संतृप्त किया जाए।

कहा सुनिश्चित करें कि सरकार के निर्देश के अनुसार ग्राम पंचायत को गरीबी से मुक्त किया जाए कोई भी गरीब नहीं मिलना चाहिए। जिलाधिकारी ने कहा कि पेयजल योजना के तहत पानी की सप्लाई कराई जाए । राशन कार्ड के यूनिट बढ़ाने सहित अन्य जो राशन से संबंधित मामले हैं उनको प्राथमिकता के साथ निस्तारण करें।

जिलाधिकारी ने खंड विकास अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा के मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना कन्या सुमंगला योजना के लाभार्थियों का प्राथमिकता के साथ सत्यापन कर उनको लाभ दिया जाए । कहा बृद्धा महिला विकलांग पेंशन का कोई भी लाभार्थी पेंशन से वंचित नहीं रहना चाहिए उनके आवेदन कराएं और पेंशन से जोड़ें । जिलाधिकारी ने ग्राम वासियों को शिक्षा के प्रति आगाह किया कहा कि सरकार द्वारा विद्यालयों में अच्छी सुविधा दी जा रही है निशुल्क बैग जूते मोजे यूनिफॉर्म किताबें दी जा रही हैं अपने बच्चों को स्कूल अवश्य भेजें।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र परियोजना निदेशक अमरेन्द्र प्रताप जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसौदिया खंड विकास अधिकारी जोया सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी व बड़ी संख्या में ग्राम बरखेड़ा राजपूत के ग्रामीण वासी मौजूद रहे।

शिक्षकों की समस्याओं को लेकर 1 मई को बीएसए कार्यालय पर धरना देगा प्राथमिक शिक्षक संघ

1 मई को बीएसए कार्यालय पर गरजेंगे शिक्षक, धरना प्रदर्शन की सफलता हेतु बैठक में तय की गयी रणनीति

» सब का सपना संवाददाता

अमरोहा: उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की जिला स्तरीय एक बैठक का आयोजन हसनपुर के जीवन साथी मंडप के हाल में किया गया। जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष यशपाल सिंह ने की एवं संचालन ब्लाक अध्यक्ष होमपाल सिंह ने किया। बैठक में आगामी 1 मई 2025 को प्रदेश के सभी बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालयों पर धरना प्रदर्शन की सफलता हेतु रणनीति बनाई गई।

बैठक में बोलते हुए जिला अध्यक्ष यशपाल सिंह ने बताया कि प्रांतीय नेतृत्व के आह्वान पर शिक्षकों की अनेकों लंबित समस्याओं के शीघ्र निस्तारण हेतु बेसिक शिक्षकों की 14 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदेशव्यापी धरना प्रदर्शन के तहत जिले के बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर दोपहर 11:00 से 2:00 बजे तक धरना प्रदर्शन किया जाएगा। उसके उपरांत मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से भेजा जाएगा। शिक्षकों की 14 सूत्रीय मांगों में मुख्य रूप से वर्ष 2005 के बाद नियुक्त सभी शिक्षकों पुरानी पेंशन की बहाली करना, वर्षों से लंबित पदोन्नति की प्रक्रिया को संपादित कने,सभी प्रकार के अंतःजनपदीय एवं अंतर्जनपदीय स्थानांतरण के साथ साथ शिक्षकों के सामान्य

स्थानांतरण करने,सभी शिक्षकों के लिए सामूहिक बीमा योजना की राशि 10 लख रुपए करने, विद्यालयों के संचालन की अवधि टाइम एंड मौशन के अनुसार ग्रीष्म काल में प्रातः 7:00 बजे से 12:00 तक करने, विकलांग शिक्षकों हेतु दिव्यांग वाहन भत्ता हेतु आदेश निर्गत करने, जन्म प्रमाण पत्र एवं आधार कार्ड की वजह से नामांकन में आ रही समस्या का समाधान करने आदि शामिल हैं।

जिला मंत्री मुकेश चौधरी ने कहा कि शिक्षकों की तमाम मांगे पुरानी पेंशन बहाली, पदोन्नति, स्थानांतरण काफी दिनों से लंबित है। शिक्षकों की समस्याओं के समाधान के लिए विभागीय अधिकारी रुचि नहीं ले रहे है जिस वजह से शिक्षकों की समस्यायों का अंबार लगा हुआ है।अब संघर्ष के बिना कुछ नहीं होगा। अतः आगामी 1 मई को हजारों की संख्या में शिक्षक धरना प्रदर्शन में शामिल होकर अपनी आवाज को बुलंद करेंगे।

वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ प्रथी सिंह ने कहा कि प्राथमिक शिक्षक संघ के बैनर तले शिक्षक एकजुट है और संघ के आह्वान पर हर स्तर पर संघर्ष करने के लिए तैयार हैं। प्रदेश सरकार द्वारा बेसिक शिक्षकों के साथ सौतेला व्यवहार किया ज रहा है, जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सरकार को अपनी हठधर्मिता को छोड़कर शिक्षकों की समस्त मांगों को मान लेना चाहिए।

बैठक में ब्लॉक अध्यक्ष हसनपुर होमपाल सिंह चौहान, ब्लॉक अध्यक्ष गंगेश्वरी रामवीर सिंह, ब्लॉक मंत्री हसनपुर इरशाद अली, ब्लॉक मंत्री जोया हीरा सिंह,ब्लॉक उपाध्यक्ष गौरव नागर, सोम सिंह,सोनू कुमार,सोनू धामा,अमित गुप्ता,सौरभ जिंदल, गजेन्द्र ढ़ाका,कुलदीप सैनी, निज़ामुद्दीन,नाजिम अख्तर, नन्हें सिंह, राजेश सांगवान,रणजीत सिंह, पंकज अग्रवाल, मोनू वर्मा,अजीत सिंह, हरिशंकर आदि मौजूद रहे।

बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष यशपाल सिंह ने की एवं संचालन ब्लाक अध्यक्ष होमपाल सिंह चौहान ने किया।

महाराष्ट्र का छिपा हुआ खजाना है कोयनानगर

मानसून में यहां घूमना है जन्नत के बराबर

कोयनानगर को महाराष्ट्र का छिपा हुआ खजाना माना जाता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कोयनानगर की खासियत, यहां की खूबसूरती और यहां पर मौजूद शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

देश के पश्चिमी भाग में स्थित महाराष्ट्र एक प्रमुख राज्य होने के साथ ही खूबसूरती के लिए भी जाना जाता है। यह एक ओर ऊंचे-ऊंचे पहाड़ तो दूसरी ओर अरब सागर से घिरा है। महाराष्ट्र अपनी खूबसूरती के कारण पर्यटकों के अपनी ओर आकर्षित करता है। महाराष्ट्र में कई ऐसी हसीन, ऐतिहासिक और शानदार जगहें मौजूद हैं, जहां पर घूमने के लिए दुनियाभर से लोग आते हैं। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई से लेकर लोनावाला, खंडाला और माथेरान जैसी जगहों के बारे में तो हर कोई जानता है, लेकिन यहां पर स्थित कोयनानगर के बारे में कम लोग जानते हैं। इस जगह को महाराष्ट्र का छिरा हुआ खजाना माना जाता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कोयनानगर की खासियत, यहां की खूबसूरती और यहां पर मौजूद शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

महाराष्ट्र में कोयनानगर

कोयनानगर महाराष्ट्र के सतारा जिले में स्थित है। सतारा जिला खूबसूरत पहाड़ और झील-झरनों के लिए जाना जाता है। वहीं कोयनानगर को कोयना के नाम से भी जाना जाता है।

सतारा जिले में कोयना नदी के किनारे कोयनानगर है। यह सतारा शहर से कुछ ही दूरी पर बसा है। कोयनानगर महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई से करीब 294 किमी दूर है। पूणे से 190 किमी और सांगली से 130 किमी दूर है।

कोयनानगर की खासियत

कोयनानगर चिपलून-सांगली राजमार्ग पर स्थित है और यह कई चीजों के लिए फेमस माना जाता है। कोयनानगर में स्थित कोयना बांधा भारत की सबसे बड़ी जल विद्युत परियोजनाओं में से एक माना जाता है।

कोयना बांध के पीछे स्थित शिवसागर जलाशय भी कोयनानगर को खास बनाने का काम करता है। यह जगह सतारा जिले के साथ ही पूरे महाराष्ट्र का छिपा हुआ खजाना माना जाता है। यहां पर आप एडवेंचर एक्टिविटी भी कर सकते हैं।

कोयनानगर की खूबसूरती

बता दें कि कोयनानगर को खूबसूरती का खजाना माना जाता है। यह जगह शहर की भीड़-भाड़ से दूर अपने शांत और शुद्ध वातावरण के लिए भी जाना जाता है। प्रकृति प्रेमियों के लिए यह जगह स्वर्ग से कम नहीं है। कोयनानगर की हरियाली यहां की खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करती है।

यहां पर क्रिस्टल क्लियर झील, ऊंचे-ऊंचे पहाड़ और घने जंगल देखने को मिलेंगे। वहीं वीकेंड पर कई पर्यटक यहां पर पिकनिक मनाने पहुंचते हैं। वहीं मानसून में कोयनानगर की खूबसूरती देखने लायक होती है।

कोयनानगर में घूमने की जगहें

कोयनानगर में कई शानदार और बेहतरीन जगहें हैं, जहां पर घूमने के बाद आप महाराष्ट्र की फेमस जगहों को भूल जाएंगे। यहां पर कोयना डैम, कोयना नदी, नेहरु गार्डन और कोयनानगर वाइल्ड लाइफ सेंचुरी आदि खूबसूरत जगहें मौजूद हैं।

कोयनानगर के आसपास कामरगांव, हूंबर्ली, वजेगांव, ओज़ार्डे वॉटरफॉल और कोयना बैकवाटर व्यू पॉइंट जैसी जगहों को घूम सकते हैं।

कैसे पहुंचे कोयनानगर

यहां पर पहुंचना बहुत आसान है, कोयनानगर का सबसे नजदीकी एयरपोर्ट पुणे है। जोकि करीब 192 किमी दूर है। वहीं कोयनानगर का नजदीकी रेलवे स्टेशन चिपलून है जो 42 किमी दूर है। पुणे से चिपलून के लिए लोकल ट्रेन आदि चलती हैं और यह शानदार जगह चिपलून-सांगली राजमार्ग पर स्थित है।

केरल के मुनरो आइलैंड की खूबसूरती देखकर झूम उठेंगे आप

जब भी केरल घूमने की बात होती है, तो लोग सबसे पहले एलेप्पी, कुमारकोम, मुन्नार, वायनाड, वागामों और त्रिशूर जैसी फेमस जगहों पर जाना चाहते हैं। लेकिन मुनरो द्वीप के बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है।

दक्षिण भारत में जब किसी खूबसूरत राज्य में घूमने की बात होती है, तो बहुत सारे लोग केरल का नाम सबसे पहले लेते हैं। केरल दक्षिण भारत का पर्यटन हब माना जाता है। केरल की खूबसूरती हर दिन हजारों की संख्या में देशी और विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करती हैं। यहां पर स्थित लैगून और बैकवॉटर देखने के लिए लोग केरल पहुंचते हैं।

जब भी केरल घूमने की बात होती है, तो लोग सबसे पहले एलेप्पी, कुमारकोम, मुन्नार, वायनाड, वागामों और त्रिशूर जैसी फेमस जगहों पर जाना चाहते हैं। लेकिन मुनरो द्वीप के बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको मुनरो द्वीप की खूबसूरती, खासियत और यहां पर मौजूद कुछ शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

मुनरो द्वीप

केरल के कोल्लम जिले में स्थित मुनरो द्वीप एक अद्भुत और अनोखी जगह है। यह कोल्लम शहर के कुछ किमी की दूरी है। इस द्वीप को कई लोग मुंद्रोथुरुथु के नाम से भी जानते हैं।

केरल में अष्टमुडी झील और कल्लदा नदी के संगम पर यह द्वीप स्थित है। मुनरो द्वीप राजधानी तिरुवनंतपुरम से करीब 90 किमी की दूरी पर है। यह द्वीप एलेप्पी से करीब 87 किमी दूर और कोट्टयम से महज 84 किमी दूर है।

मुनरो द्वीप का इतिहास

मुनरो द्वीप का इतिहास काफी रोचक है। इस आइलैंड के बारे में बताया जाता है कि इसका नाम पूर्व ब्रिटिश निवासी कर्नल मुनरो के नाम पर रखा गया है। बताया जाता है कि जब कर्नल मुनरो ने देखा कि सिंचाई के लिए आसपास के इलाकों में बहुत समस्या हो रही है, तब इस द्वीप का निर्माण करवाया गया था।

मुनरो द्वीप की खासियत

केरल के साथ-साथ दक्षिण भारत का भी यह एक ऐसा आइलैंड है, जो नदी और झील के किनारे स्थित है। मुनरो द्वीप अष्टमुडी झील और कल्लदा नदी के संगम पर स्थित है। जोकि अपने आप में अनोखा है।

इस द्वीप के बारे में कहा जाता है कि यह केरल का छिपा हुआ मोती है, जो करीब 8 द्वीपों से बना हुआ है। यहां पर स्थित बैकवाटर और लैगून पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है।

सैलानियों के लिए है खास

मुनरो द्वीप अपनी खूबसूरती के लिए जाना जाता है और यहां पर हर दिन हजारों की संख्या में पर्यटक आते हैं। खासकर जो सैलानी बैकवाटर और लैगून से प्रेम करते हैं, उनके लिए मुनरो द्वीप किसी स्वर्ग से कम नहीं है। वहीं प्रकृति प्रेमियों के लिए भी यह खास जगह है।

मुनरो द्वीर अपनी प्राकृतिक सुंदरता के साथ शांत और शुद्ध वातावरण के लिए जाना जाता है। यहां पर कई पर्यटक बोटिंग का लुत्फ उठाने के लिए पहुंचते हैं। मानसून में इस द्वीप की खूबसूरती चरम पर होती है।

आसपास घूमने की जगहें

मुनरो द्वीप के आसपास कई शानदार और मनमोहक जगहें हैं। ऐसे में आप इन जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। आप यहां पर अष्टमुडी झील, वेस्ट एंड ईस्ट कल्लाडा और थेवलक्करा गांव को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं।

कैसे पहुंचे मुनरो द्वीप

बता दें कि मुनरो द्वीप पहुंचना आसान है। इसके पास में कोल्लम रेलवे स्टेशन है, जोकि यहां से 27 किमी दूर है।

वहीं अगर आप हवाई मार्ग से जाना चाहते हैं, तो यहां पर सबसे पास त्रिवेंद्रम एयरपोर्ट जोकि 80 किमी दूर है। ऐसे में आप एयरपोर्ट से कैब या टैक्सी करके मुनरो द्वीप जा सकते हैं।

अप्रैल में पार्टनर के साथ इन हसीन जगहों पर बिताएं रोमांटिक पल, जिंदगी में भर जाएगा रोमांस

» अनन्या मिश्रा

अगर आप भी अप्रैल के महीने में किसी ठंडी जगह की तलाश कर रहे हैं, लेकिन यह तय नहीं कर पा रहे हैं कि आपको कहां जाना चाहिए तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज हम आपको पूर्व भारत से लेकर उत्तर-दक्षिण भारत की कुछ ऐसी हसीन जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

अप्रैल साल का एक ऐसा महीना है, जब देश के अधिकतर हिस्सों में भीषण गर्मी पड़ने लगती है। अप्रैल की चिलचिलाती गर्मी से बचने के लिए कई लोग पहाड़ों पर घूमने के लिए जाते हैं। इस महीने में कपल्स गर्मी से दूर हसीन, खूबसूरत और ठंडी-ठंडी जगहों की तलाश करते हैं। जहां पर वह रोमांटिक और सुकून के पल बिता सकें। ऐसे में अगर आप भी अप्रैल के महीने में किसी ठंडी जगह की तलाश कर रहे हैं, लेकिन यह तय नहीं कर पा रहे हैं कि आपको कहां जाना चाहिए तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको पूर्व भारत से लेकर उत्तर-दक्षिण भारत की कुछ ऐसी हसीन जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आप अपने पार्टनर के साथ घूमने के लिए जा सकते हैं।

सोनमर्ग

अप्रैल की चिलचिलाती गर्मी से बचने के लिए आप सोनमर्ग का ही रुख कर सकते हैं। यह जम्मू कश्मीर की हसीन वादियों में मौजूद है। इसको जम्मू-कश्मीर का एक रोमांटिक और खूबसूरत हिल स्टेशन माना जाता है। अप्रैल में सोनमर्ग का तापमान 2C से लेकर 15C के बीच रहता है। यहां पर आप कृष्णासर झील, विशनसर झील, थजवास ग्लेशियर और बालटाल घाटी जैसी रोमांटिक जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

स्पीति वैली

हिमाचल प्रदेश में ऐसी कई शानदार और हसीन जगहें मौजूद हैं, जहां पर आप अप्रैल के महीने में अपने पार्टनर के साथ घूमने के लिए जा सकते हैं। हिमाचल में स्पीति वैली एक रोमांटिक डेस्टिनेशन माना जाता है। अप्रैल की गर्मी में यहां पर कई कपल्स घूमने के लिए आते हैं। अप्रैल में स्पीति वैली का तापमान 7C से लेकर 20C के बीच रहता है। यहां पर आप पिन वैली नेशनल पार्क और चंद्रताल को एक्सप्लोर कर सकते हैं। इसके अलावा आप यहां पर एडवेंचर एक्टिविटी भी कर सकते हैं।

गंगटोक

अप्रैल के महीने में पूर्व भारत में गंगटोक जा सकते हैं। कपल्स के लिए यह एक हसीन और रोमांटिक जगह है। सिक्किम की राजधानी गंगटोक पूर्व भारत का एक टॉप क्लास डेस्टिनेशन है।

गंगटोक में बादलों से ढके ऊंचे-ऊंचे पहाड़, झीर-झरने और घने जंगल यहां की खूबसूरती को बढ़ाने का काम करते हैं। यह पूर्व भारत का एक रोमांटिक डेस्टिनेशन माना जाता है। गंगटोक में आप एनचे मठ, त्सोमो झील, ताशी व्यू प्वांइट और हिमालयन जूलॉजिकल पार्क जैसी हसीन जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

चोपता

समुद्र तल से करीब 8 हजार से ज्यादा फीट की ऊंचाई पर मौजूद चोपता एक बेहतरीन हिल स्टेशन है। हिमालय की गोद में बसे चोपता हिल स्टेशन पर हर कपल्स जाना चाहता है। चोपता एक रोमांटिक डेस्टिनेशन के रूप में जाना जाता है।

अप्रैल में यहां का तापमान 2C और अधिकतम 15C रहता है। इसलिए यहां पर कई कपल्स हनीमून मनाने के लिए पहुंचते हैं और साथ में टाइम स्पेंड करते हैं। चोपता में आप देवरिया ताल, तुंगनाथ मंदिर और चंद्रशिला ट्रेक आदि जगहों पर घूमने के लिए जा सकते हैं।

कुर्ग

अगर आप अप्रैल महीने में दक्षिण भारत की किसी शानदार और हसीन जगह जाना चाहते हैं। तो आपको कुर्ग पहुंचना चाहिए। यह कर्नाटक का एक खूबसूरत और रोमांटिक हिल स्टेशन है।

कुर्ग की हसीन वादियों में स्टे के लिए आपको कई रिसॉर्ट और विला मिल जाएंगे। जहां पर आप रोमांटिक पल बिता सकते हैं। यहां पर आप राजा की सीट, एबी फॉल्स, दुबारे हाथी शिवर और नामद्रोलिंग मठ आदि जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं और एडवेंचर एक्टिविटी कर सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

मुंबई में ईडी ऑफिस में लग गई भीषण आग, मचा हड़कंप

मुंबई, एजेंसी। दक्षिण मुंबई के 'बलार्ड एस्टेट' इलाके में शनिवार देर रात प्रवर्तन निदेशालय (श्रेष्ठ) के कार्यालय की इमारत में भीषण आग लग गई। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार देर रात दो बजकर 31 मिनट पर दमकल विभाग को कुरिमभॉय रोड पर ग्रैंड होटल के पास बहुमंजिला इमारत 'कैसर-ए-हिंद' में आग लगने की सूचना मिली। इसी इमारत में प्रवर्तन निदेशालय का कार्यालय है। दमकल विभाग के कई दल मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का काम शुरू किया। दमकल विभाग के नियंत्रण कक्ष ने पुष्टि की कि करीब साढ़े तीन बजे आग 'स्तर-2' तक बढ़ गई जिसे आम तौर पर भीषण आग माना जाता है। एक स्थानीय अधिकारी ने बताया कि आग पांच मंजिला इमारत की चौथी मंजिल तक सीमित रही। अधिकारी ने बताया कि आठ दमकल गाड़ियां, छह टैंकर, एक बचाव वैन, एक त्वरित प्रतिक्रिया वाहन और एक एम्बुलेंस समेत अन्य राहत संसाधनों को मौके पर तैनात किया गया। अधिकारी ने बताया कि आग लगने के कारण का अभी पता नहीं चल पाया है।

कश्मीर में नहीं थम रही आतंकी घटनाएँ, कुपवाड़ा में सामाजिक कार्यकर्ता की गोली मारकर हत्या

कश्मीर , एजेंसी। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद सुरक्षा एजेंसियां घाटी में मजूबती के साथ ऑपरेशन चला रही हैं। ऐसे में आतंकवादी अपने बिलों से बाहर निकलकर आम नागरिकों को निशाना बना रहे हैं। ऐसी ही एक घटना कुपवाड़ा जिले में हुई जहां संदिग्ध आतंकवादियों ने सामाजिक कार्यकर्ता की गोली मार कर हत्या कर दी।स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक शनिवार देर रात आतंकवादियों ने सामाजिक कार्यकर्ता गुलाम रसूल माग्रे के घर में घुस कर गोली मार दी है। 45 वर्षीय रसूल को रात को ही अस्पताल ले जाया गया, जहां पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अधिकारियों के मुताबिक अभी इस बात का पता नहीं चल पाया है कि आखिर आतंकवादियों ने रसूल को निशाना क्यों बनाया। फिलहाल मामले की जांच जारी है। आपको बता दें घाटी में पहलगाम हमले के बाद सुरक्षा बलों ने आतंकियों के खिलाफ हमले तेज कर दिए हैं। पहलगाम हमले के बाद से कई आतंकियों के घरों को ध्वस्त कर दिया गया है। पिछले दिनों हुए एक ऑपरेशन के दौरान सुरक्षाबलों ने आतंकी ठिकानों पर हमला किया था, जिसमें बड़ी संख्या में हथियार बरामद हुए थे।

तपती धरती पर पड़ने वाली हैं राहत की बूंदें ,तीन दिन बाद राजस्थान में मौसम लेगा पलटी

जयपुर , एजेंसी। राजस्थान इन दिनों जैसे अंगारों पर चल रहा है। सूरज ने पूरे प्रदेश को तंदूर बना दिया है। जयपुर से लेकर जैसलमेर तक हर कोई गर्मी से बेहाल है। दिन के समय सड़कें वीरान हैं और लोग घरों में कैद हो गए हैं। पारा 45 डिग्री के पार जाकर जैसे चुनौती दे रहा हो ङ्कहिम्मत है तो बाहर आओ! मौसम विभाग ने साफ चेतावनी दी है कि अगले तीन दिन तक कोई रहम नहीं मिलने वाला। गर्म लू के थपेड़े और धधकती धूप लोगों की हालत और पतली करने वाली है। दोपहर के वक्त बाहर निकलना सीधे-सीधे सेहत से खिलवाड़ करने जैसा होगा। डॉक्टरों की सलाह है ङ्क खूब पानी पिएं, हल्के कपड़े पहनें और धूप से बचें, वरना लू लगने का खतरा सिर पर मंडरा रहा है। लेकिन ठहरिए... इस तपती परीक्षा के बाद मौसम कुछ मीठी राहत भी देने वाला है। तीन दिन बाद राजस्थान में आंधियों और बारिश की धमाकेदार एंट्री हो सकती है। मौसम विभाग का कहना है कि पश्चिमी विक्षोभ के असर से बीकानेर,जयपुर,अलवर,सीकर और झुंझुनूं समेत कई जिलों में तेज आंधी,धूलभरी हवाएं और फिर बारिश के फुहारें गिरने के पूरे आसार हैं। आंधियों के साथ धूल के गुबार उठेंगे और फिर जब बादल गरजेंगे और बूंदें बरसेंगी,तो धरती की तपन को जैसे अचानक ब्रेक लग जाएगा। तापमान में गिरावट आएगी और उमस भरी गर्मी से लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। हालांकि, आंधी के दौरान पेड़ गिरने, बिजली गिरने जैसी घटनाओं की भी चेतावनी दी गई है, इसलिए सतर्क रहना जरूरी होगा। तो तैयार रहिए – पहले तीन दिन की आग की बरसात के लिए, फिर ठंडी फुहारों की सौगात के लिए! फिलहाल के लिए तो छाते से लेकर सनग्लासेस और नींबू पानी तक सब चीजों का इंतजाम लोगों ने अपनी सुविधानुसार कर रखा है।

गुरुग्राम की सड़कें होंगी चकाचक, सेक्टर-41 में 20 से अधिक टूटे रास्तों की बदलेगी काया

गुरुग्राम एजेंसी। गुरुग्राम सेक्टर-41 के लोगों को जल्द ही टूटी सड़कों से राहत मिलने वाली है। नगर निगम की ओर से अब सेक्टर की 20 से अधिक सड़कों को दुरुस्त किया जाएगा। इसको लेकर निगम ने टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है। सेक्टर की बदहाल सड़कों के निर्माण के लिए सेक्टरवासी काफी समय से निगम अधिकारियों से मांग कर रहे थे। सेक्टर की टूटी सड़कों के कारण लोग पैदल भी नहीं चल पा रहे हैं। ऐसे में अब निगम ने सेक्टर की मुख्य सड़कों व अंदर की सड़कों रि-कारपेटिंग करवाएगा।

निगम की तरफ से इस कार्य के लिए करीब 50 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। निगम द्वारा अगले माह के अंत तक टेंडर प्रक्रिया पूरी कर सेक्टर में सड़कों का निर्माण कार्य शुरू करवा दिया जाएगा।

सेक्टर-41 में पिछले काफी समय से सड़कों का निर्माण तो दूर मरम्मत कार्य तक नहीं हुआ है। इस कारण सेक्टर की सड़कें काफी खस्ता हालत में है। यहां कोई भी ऐसी सड़क नहीं है

जिन पर आसानी से पैदल भी चला जा सके।

नगर निगम की योजना के अनुसार सेक्टर-41 की सभी सड़कों की हालत काफी खस्ता हो चुकी है। निगम ने सेक्टर की 20 से अधिक सड़कों पर रि-कारपेंटिंग करने की योजना तैयार की है। इसमें आठ मीटर, 12 मीटर और 18 मीटर चौड़ी सड़कें शामिल की गई है। सेक्टर-41 के निवासी राजेश यादव ने बताया कि सेक्टर की हालत किसी पिछड़े हुए गांव से कम नहीं है। सेक्टर की मार्केट में सड़कों पर व मुख्य गेट पर बड़े-बड़े गड्ढे हो रखे हैं। टूटी सड़कों के गड्ढों में कई बार दोपहिया वाहन चालक हादसों का शिकार हो चुके हैं। अजय पंघाल, कार्यकारी अभियंता, नगर निगम, गुरुग्राम ने कहा, सेक्टर-41 में सभी सड़कों को रि-कारपेटिंग करवाया जा रहा है। इसको लेकर टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है। अगले माह के पहले सप्ताह तक सेक्टर में सड़कों का निर्माण कार्य शुरू करवा दिया जाएगा। वहीं, गुरुग्राम की मेयर राजरानी मल्होत्रा की अध्यक्षता में शनिवार को नगर निगम के जोन-एक क्षेत्र की बैठक हुई। इसमें निगमायुक्त ने पार्षदों को बताया कि शहर की 120 किलोमीटर की सड़कें मॉडल बनाई जाएंगी।

इसको लेकर पार्षदों को सड़कों को चिन्हित करने को कहा। निगमायुक्त अशोक कुमार गर्ग ने जानकारी दी कि नगर निगम द्वारा 120 किलोमीटर मॉडल रोड बनाए जाएंगे, जिसके लिए पार्षद अपने-अपने वार्डों में उपयुक्त सड़कों की पहचान करें और इसकी रिपोर्ट निगम को दे, ताकि चिन्हित सड़क को जल्द से जल्द मॉडल सड़क के रूप में विकसित किया जा सके। बैठक के दौरान ने मेयर ने बरसाती मौसम से पहले शहर की सभी सड़कों को गड्ढामुक्त करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। बैठक में पार्षदों के आईडी कार्ड बनाने, कार्यालय स्थापित करने, साइन बोर्ड लगाने और स्टाफ की उपलब्धता जैसे बिंदुओं पर गंभीरता से चर्चा की गई। पार्षदों ने अपने-अपने वार्डों से जुड़ी समस्याएं भी रखीं, जिनमें सीवर और ड्रेनेज की सफाई, सड़कों की मरम्मत, संपत्तिकर शिविर में सहयोग, रेनवाटर हार्वेस्टिंग, अतिक्रमण हटाना, सफाई व्यवस्था, कचरा प्रबंधन, पेड़ों की छंटाई और स्ट्रीट लाइट की मरम्मत शामिल थे।

महिलाओं का स्तन छूने की कोशिश दुष्कर्म नहीं; अब कलकत्ता हाईकोर्ट ने सुनाया फैसला

कलकत्ता, एजेंसी। कलकत्ता हाईकोर्ट ने कहा कि नशे की हालत में नाबालिग का स्तन छूने की कोशिश करना पॉक्सो एक्ट के तहत दुष्कर्म की कोशिश नहीं है। यह सिर्फ यौन अपराध की श्रेणी में आता है। न्यायमूर्ति अरिजीत बनर्जी और न्यायमूर्ति बिस्वरूप चौधरी की खंडपीठ ने ट्रायल कोर्ट की ओर से पॉक्सो के तहत एक आरोपी को दोषी ठहराने और सजा सुनाए जाने के आदेश को निलंबित करते हुए यह टिप्पणी की। निचली अदालत ने आरोपी को 12 साल की कठोर कारावास की सजा सुनाई थी।

खंडपीठ ने यह भी कहा कि पीड़िता की मेडिकल जांच से यह स्पष्ट नहीं होता कि आरोपी ने दुष्कर्म किया या दुष्कर्म का प्रयास किया। बेंच ने कहा कि ऐसे सबूत पॉक्सो अधिनियम, 2012 की धारा 10 के तहत गंभीर यौन उत्पीड़न के आरोप को सही ठहरा सकता है लेकिन बलात्कार की कोशिश के अपराध का संकेत नहीं देते। खंडपीठ ने कहा कि अगर अंतिम सुनवाई के बाद आरोप को 'गंभीर यौन उत्पीड़न' तक सीमित कर दिया जाता है, तो आरोपी की सजा 12 साल से घटकर पांच से सात साल हो जाएगी। इससे पहले इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भी इसी तरह का आदेश जारी किया था। कोर्ट ने कहा था कि नाबालिग पीड़िता के स्तनों को पकड़ना, उसके पायजामे का नाड़ा तोड़ना और उसे पुलिया के नीचे खींचने का प्रयास करना रेप या रेप की कोशिश नहीं माना जा सकता है। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्र ने कासगंज के पटियाली थाने में दर्ज मामले में आकाश व दो अन्य आरोपियों की आपराधिक पुनरीक्षण याचिका को आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए की थी। हाईकोर्ट ने कहा कि आरोपियों पर लगाए गए आरोप और मामले के तथ्यों के आधार पर इस मामले में रेप की कोशिश का अपराध नहीं बनता। इसकी बजाय उन्हें आईपीसी की धारा 354 (बी) यानी पीड़िता को निर्वस्त्र करने या उसे नग्न होने के लिए मजबूर करने के इरादे से हमला या दुर्व्यवहार करने और पॉक्सो एक्ट की धारा 9 (एम) के तहत आरोप के तहत तलब किया जा सकता है।

उत्तराखंड चारधाम यात्रा पर यात्रियों को रोक भीड़ प्रबंधन का ऐक्शन प्लान, केदारनाथ-बदरीनाथ रूटों पर बने हॉल्टिंग प्वाइंट

देहरादून , एजेंसी। उत्तराखंड में चारधाम यात्रा में भीड़ प्रबंधन को लेकर इस बार धामी सरकार ने विशेष कार्ययोजना तैयार की है। धामों में अत्यधिक भीड़ बढ़ने या किसी आपदा की स्थिति में चारधाम जाने वाले श्रद्धालुओं को चिह्नित हॉल्टिंग प्वाइंट पर रोका जाएगा।

इन स्थानों पर होटल, धर्मशाला, स्कूल, कॉलेज, कम्युनिटी सेंटर इत्यादि को चिह्नित कर लिया गया है। इसके साथ ही पार्किंग सहित अन्य सुविधाओं का ब्योरा भी जुटा लिया गया है। बीते वर्षों से सबक लेते हुए इस बार सरकार कोई रिस्क नहीं लेना चाहती है। इस बार ऐसा न हो, इसके लिए सरकार की ओर से पहले से तैयारी कर ली गई है। धामों में अत्यधिक भीड़ बढ़ने और आपात स्थिति में श्रद्धालुओं को चिह्नित हॉल्टिंग प्वाइंट पर रोक दिया जाएगा। भीड़ प्रबंधन का यह कार्य राजधानी देहरादून में पटेल भवन में बनाए गए चारधाम यात्रा कंट्रोल रूम से किया जाएगा। इसको लेकर उत्तराखंड पुलिस विभाग ने अपनी तैयारी पूरी कर ली है।पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ ने कहा कि चारधाम यात्रा में भी प्रबंधन को लेकर शासन स्तर पर निर्देश प्राप्त हुए थे। इसके क्रम में पटेल भवन में चारधाम यात्रा कंट्रोल रूम की स्थापना कर ली गई, जो शीघ्र ही काम करने लगेगा। इसके साथ ही भी? प्रबंधन को लेकर भी कार्ययोजना तैयार की गई है।

2200 किसानों को प्लॉट मिलने का रास्ता साफ

नोएडा एजेंसी। नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे के पास सेक्टर-145 में 2200 किसानों को पांच प्रतिशत प्लॉट मिलने का रास्ता साफ हो गया है। शनिवार को प्लॉटों के लिए चिह्नित करीब 31 हेक्टेयर जमीन पर नोएडा प्राधिकरण ने शनिवार को कब्जा ले लिया। कब्जा लेने के बाद इसकी तार-फेंसिंग कर पिलर लगा दिए गए हैं। विरोध की आशंका के चलते शनिवार को प्राधिकरण और पुलिस के बड़े अधिकारी मौजूद थे। अब किसान यहां अपने प्लॉट पर निर्माण शुरू कर सकेंगे।

नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि सेक्टर-145 बेगमपुर गांव में 31.3828 हेक्टेयर जमीन है। नोएडा प्राधिकरण के ओएसडी महेंद्र प्रसाद ने बताया कि इस गांव की 108.223 हेक्टेयर भूमि के संबंध में अर्जन अधिनियम की धारा के तहत प्रक्रिया सात नवंबर 2007 और 17 मार्च

2008 को जारी की गई थी। इस संबंध में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 18 फरवरी 2008 को स्टे ऑर्डर पारित किया था। स्टे ऑर्डर समाप्त होने के बाद हाईकोर्ट ने निर्णय सुनाया। इसके बाद यह मामला सुप्रीम कोर्ट में चला। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट का आदेश आने के बाद जिला प्रशासन की ओर से 19 जुलाई 2024 को इस जमीन का अवार्ड यानि मुआवजा दर घोषित कर दी गई। इसके बाद उसी साल प्राधिकरण ने जिला प्रशासन के खाते में इन किसानों से संबंधित 102 करोड़ रुपये मुआवजे के रूप में जमा करा दिए। अब तक करीब 70 प्रतिशत किसान मुआवजा उठा चुके हैं। ओएसडी महेंद्र प्रसाद ने बताया कि जिस जमीन पर शनिवार को प्रशासन ने कब्जा लिया है, उस पर किसी कोर्ट में कोई स्टे ऑर्डर नहीं है। यह प्राधिकरण की अर्जित और कब्जा प्राप्त जमीन है।

ट्रम्प बोले- जनता मुझे तीसरी बार राष्ट्रपति बनाने को बेताब

वाशिंगटन एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल के 100 दिन 30 अप्रैल को पूरे होंगे। इससे पहले उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा- मैं बहुत ही शानदार काम कर रहा हूं। अमेरिका की जनता मुझे फिर से राष्ट्रपति चुनाव लड़ने की मांग कर रही है। लोग मुझे तीसरी बार भी अमेरिका का राष्ट्रपति बनाने को बेताब हैं।

ट्रम्प ने बताया कि राष्ट्रपति के रूप में मेरे 100 दिन अमेरिकी इतिहास में सबसे महान दिन रहे। हमने कई कानून बदले। टैरिफ से होने वाले नुकसान को रोका। छंटनी की। टैरिफ से एक साल में 170 लाख करोड़ रुपए की कमाई होगी। इससे मध्यवर्ग को राहत होगी।

पहले कार्यकाल में बॉर्डर पर सैकड़ों मील दीवार बनाई। फिर रोक लग गई। हम मेक्सिको बॉर्डर पर दीवार बना कर रहेंगे। बॉर्डर सुरक्षित कर ड्रग्स संकट से निकलेंगे। साथ ही देश से 2 करोड़ अवैध प्रवासियों को खदेड़ कर रहेंगे।

अमेरिका को फिर से महान बनाने के लिए क्रांतिकारी बदलाव होंगे। इसमें आर्थिक सुधार, ऊर्जा नीति व विदेशी मामलों में अमेरिका फर्स्ट नीति को और विस्तार से लागू करना शामिल हैं। मेरी नीतियां जनता के कल्याण के लिए हैं। मैं शक्तियों का विस्तार नहीं कर रहा, बल्कि उनका सही उपयोग कर रहा हूं। मैंने वही किया, जो चुनाव में वादा किया था। सभी काम कानून के अंतर्गत दी गई शक्तियों के अनुसार कर रहा। किसी संस्था को कमजोर नहीं कर रहा। किराने का सामान

सस्ता, ऊर्जा की कीमतें घटी हैं। सिर्फ ब्याज दरें स्थिर हैं। हम जल्द ही दुनिया के सबसे धनी देश होंगे। महंगाई बढ़ने के आरोप गलत है। मेरी सरकार द्वारा उठाए गए कदम के फायदे आगे और देखने को मिलेंगे। यूक्रेन युद्धः मैंने यह बात बढ़ा-चढ़ाकर कही थी। युद्ध 3 साल से चल रहा। मैं 3 महीने पहले आया। यह बाइडेन का युद्ध है। मैं रहता तो युद्ध नहीं होता। पुतिन-जेलेंस्की से बात कर रहा हूं। जल्द समझौता होगा।

सरकारी खर्चः डीप स्टेट खत्म होगा। यह ष्ठश्नत्रश्च के मिशन से मेल खाता है, जो सरकारी खर्च-नौकरशाही को कम करने पर केंद्रित है। ष्ठश्नत्रश्च ने अरबों डॉलर की बर्बादी, धोखाधड़ी और दुरुपयोग रोका। हम चाहते हैं सरकारी पैसा सही लोगों को मिले।

शिक्षा सुधारः सार्वजनिक शिक्षा के बजाय निजी स्कूलों में वाउचर सिस्टम लागू होंगे। इससे अभिभावकों को बच्चों के स्कूल चुनने की आजादी मिलेगी। साथ ही ओबामाकेयर बंद होगा। इससे दवाएं व हेल्थ सर्विस सस्ते होंगे।

विदेश नीतिः हमारी विदेश नीति 'शांति के लिए ताकत' के सिद्धांत पर आधारित है। अमेरिका फर्स्ट नीति का और विस्तार होगा। अमेरिका को युद्ध से दूर रखा जाएगा। नाटो और संयुक्त राष्ट्र जैसे संगठनों में योगदान को और कम किया जाएगा।

अमेरिका में 2 बार राष्ट्रपति बनने का नियम ट्रम्प का कार्यकाल 2029 में पूरा होगा। अमेरिका में दो बार राष्ट्रपति बनने का प्रावधान है। ट्रम्प नवंबर में दूसरी बार राष्ट्रपति चुने गए हैं। इससे पहले वह 2017 से 2021 तक राष्ट्रपति रह चुके हैं। अगर ट्रम्प तीसरी बार राष्ट्रपति बनने की कोशिश करते हैं तो इसके लिए उन्हें संविधान में संशोधन करना होगा।

व्हाइट हाउस में तीखी बहस के बाद पहली बार मिले ट्रंप और जेलेंस्की

वेटिकन सिटी , एजेंसी। पोप के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए पहुंचे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने एक दूसरे से मुलाकात की। दोनों नेताओं की मुलाकात की पुष्टि व्हाइट हाउस ने भी की है। उधर, यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने भी इस मुलाकात के बाद एक पोस्ट सोशल मीडिया पर की। हुई तीखी बहस के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ये पहली मुलाकात है। इस मुलाकात के बाद जेलेंस्की ने कहा कि अगर यह बैठक उस तरह की शांति लाती है जिसकी उन्हें उम्मीद है तो यह ऐतिहासिक साबित हो सकती है। उधर, व्हाइट हाउस के प्रवक्ता ने इसे बहुत उत्पादक बताया। इस मुलाकात को लेकर जेलेंस्की के ऑफिस की एक प्रतिक्रिया सामने आई है। यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की के कार्यालय के अनुसार, दोनों नेता सेंट पीटर्स बेसिलिका में बैठे हुए, बिना किसी सहायक के एक-दूसरे के करीब झुके हुए थे और लगभग 15 मिनट तक बात की। इस बैठक की तस्वीर भी साझा की गई है। उल्लेखनीय है कि इसी साल फरवरी के महीने में वाशिंगटन के ओवल ऑफिस में हुई तीखी नोकझोंक के बाद वेटिकन में उनकी यह पहली मुलाकात है। यह यूक्रेन और रूस के बीच लड़ाई को खत्म करने के उद्देश्य से की जा रही बातचीत के महत्वपूर्ण समय पर हो रही है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म टेलीग्राम पर एक पोस्ट में ज़ेलेंस्की ने लिखा कि अच्छी मुलाकात रही। आमने-सामने, हम बहुत

सी बातें करने में कामयाब रहे। हम उम्मीद करते हैं कि जिन बातों पर बात हुई, उनसे कोई नतीजा निकलेगा। जेलेंस्की ने कहा कि हमारे लोगों के जीवन की सुरक्षा। पूर्ण और बिना शर्त युद्ध विराम। एक विश्वसनीय और स्थायी शांति जो युद्ध की पुनरावृत्ति को रोकेगी। जेलेंस्की ने कहा कि यह एक बहुत ही प्रतीकात्मक बैठक थी जो ऐतिहासिक बनने की क्षमता रखती है अगर हम संयुक्त परिणाम प्राप्त करते हैं।

कोलंबिया विवि के छात्र और फिलिस्तीन समर्थक खलील को बिना वारंट हिरासत में लेने का खुलासा

वाशिंगटन एजेंसी। फिलिस्तीन समर्थक और कोलंबिया विश्वविद्यालय के स्नातक छात्र महमूद खलील को पिछले महीने बिना किसी गिरफ्तारी वारंट के हिरासत में लिया गया। सीरिया में जन्मे और ग्रीन कार्ड धारक खलील को 8 मार्च को रमजान के दौरान इफ्तार से लौटने के बाद गिरफ्तार किया गया था।

एनबीसी न्यूज चैनल के अनुसार, गुरुवार को जारी किए गए अदालती दस्तावेजों से इसकी पुष्टि हुई है कि खलील को बिना किसी गिरफ्तारी वारंट के हिरासत में लिया गया। अदालती दस्तावेजों में होमलैंड सरक्षा विभाग के वकीलों ने कहा

कि आव्रजन अधिकारियों के पास वारंट रहित गिरफ्तारी करने के लिए आवश्यक परिस्थितियाँ थीं। यह आशंका थी कि वह वह सहयोग नहीं करेगा और भागने की फिराक में है। संघीय आव्रजन अधिकारियों ने कहा कि उन्हें विश्वास था कि उसके भागने का जोखिम है। इसलिए गिरफ्तारी आवश्यक थी।

चैनल के अनुसार, गिरफ्तारी के वीडियो फुटेज में खलील को सहयोग करते हुए और अधिकारियों से यह कहते हुए दिखाया गया है, हां, मैं आपके साथ चलने के लिए तैयार हूं। खलील इस समय लुइसियाना में एक इमिग्रेशन डिटेंशन सुविधा में हिरासत में है। खलील की पत्नी नूर अब्दुल्ला ने पिछले दिनों पहले बच्चे के जन्म दिया है।

खलील के वकीलों का तर्क है कि उनके मवक्किल के अपार्टमेंट बिल्डिंग में प्रवेश करने के लिए वारंट की आवश्यकता थी। खलील की कानूनी टीम मामले को खारिज करने की मांग कर रही है। टीम का दावा है कि उसने गिरफ्तारी के दौरान अधिकारियों के साथ सहयोग किया और यह साबित करने के लिए कोई सबूत पेश नहीं किया गया है कि वह भागने का जोखिम था।

होमलैंड सुरक्षा विभाग की सहायक सचिव ट्रिसिया मैकलॉघलिन ने शुक्रवार को एक ई-मेल बयान में कहा, खलील ने भागने की कोशिश की, इसलिए उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उसके यहां जाते समय प्रशासनिक गिरफ्तारी वारंट निष्पादित किया गया था।

यूक्रेन के खिलाफ जंग लड़ रही उत्तर कोरिया की सेना, रूस के दावे ने मचाई सनसनी

मॉस्को , एजेंसी। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शनिवार को दावा किया कि रूस के कुर्स्क क्षेत्र से यूक्रेनी सेना को आखिरी गांव गोरनल से खदेड़ दिया गया है। साथ ही रूस ने पहली बार इसकी पुष्टि की है कि उत्तर कोरियाई सैनिक कुर्स्क में रूसी सैनिकों के साथ लड़ रहे हैं। सेना के जनरल स्टाफ के प्रमुख ने यूक्रेनियों को बाहर निकालने में मदद करने के लिए उनकी वीरता की प्रशंसा की। हालांकि, कीव ने रूस के दावे से इन्कार किया है। कीव के अधिकारियों ने कहा हे कि वे अब भी यूक्रेन की सीमा से लगे एक अन्य रूसी क्षेत्र बेलगोरोड में मौजूद हैं।

उत्तर कोरिया के 14 हजार सैनिक आए थेः यूक्रेनी सेना ने पिछले अगस्त में कु?र्स्क क्षेत्र में एक बड़े क्षेत्र पर कब्जा कर लिया था। उत्तर कोरियाई सैनिकों की मदद से रूसी सेना उन्हें बाहर निकालने की कोशिश कर रही थी। पुतिन ने कहा कि रूसी धरती से यूक्रेनी सेना के निष्कासन ने यूक्रेन के अंदर आगे की रूसी सफलताओं का रास्ता खोल दिया है। यूक्रेनी अधिकारियों ने कहा कि उत्तर कोरिया ने कुल 14,000 सैनिकों को भेजा था। ओवल आफिस में नोकझोंक के बाद पहली बार ट्रंप और जेलेंस्की ने की वार्तापोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार में शामिल होने गए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने सेंट पीटर बेसिलिका में एक संक्षिप्त बैठक की।

ट्रंप ने पुतिन की मंशा पर उठाए सवालः फरवरी में वाशिंगटन स्थित ओवल ऑफिस में हुई तीखी नोकझोंक के बाद वेटिकन में यह उनकी पहली बैठक थी। वहीं ट्रंप ने कहा कि उन्हें संदेह है कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन में युद्ध समाप्त करना चाहते हैं। इस बात पर भी संदेह व्यक्त किया कि शांति समझौता शीघ्र हो सकेगा। एक दिन पहले ही ट्रंप ने कहा था कि यूक्रेन और रूस समझौते के बहुत करीब हैं।

संक्षिप्त समाचार

साइबर हमलों में एआई का इस्तेमाल बढ़ा, सुरक्षा रणनीति पर पुनर्विचार जरूरी: कैस्परस्की

सिंगापुर (एजेंसी) साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ यूजीन कैस्परस्की ने आगाह किया है कि साइबर अपराधी कृत्रिम मेधा (एआई) की क्षमताओं का इतना तेजी से इस्तेमाल कर रहे हैं कि साइबर सुरक्षा में लगे लोग उनसे पीछे रह जा रहे हैं। इसके साथ ही कैस्परस्की ने डिजिटल सुरक्षा रणनीतियों पर मौलिक रूप से पुनर्विचार करने का आग्रह किया है।
वैश्विक साइबर सुरक्षा कंपनी कैस्परस्की के संस्थापक यूजीन कैस्परस्की ने पीटीआई-भाषा से विशेष बातचीत में कहा कि साइबर अपराधी न केवल हमलों को स्वचालित करने के लिए एआई का उपयोग कर रहे हैं, बल्कि अभूतपूर्व सहयोग और तत्परता दिखाते हुए बचाव करने वालों से आगे निकल रहे हैं। उन्होंने कहा कि डीपफेक और एआई-संचालित सोशल इंजीनियरिंग अब इतने उन्नत हो गए हैं कि किसी भी कॉलर पर भरोसा करना मुश्किल है। उन्होंने कहा, "एआई बुरे लोगों के हाथों में है। और असलियत यह है कि वे इसका अधिक से अधिक इस्तेमाल कर रहे हैं।"
कैस्परस्की ने वर्तमान समय को 'साइबर विध्वंस का युग' बताते हुए कहा कि भौतिक और डिजिटल बुनियादी ढांचे पर हमले अब रोजमर्रा की बात हैं। उन्होंने कहा, "यह भविष्य की बात नहीं है, असलियत है। साइबर विध्वंस और आतंकवाद अब नियमित रूप से महत्वपूर्ण प्रणालियों को पंगु बना रहे हैं या नष्ट कर रहे हैं और ये घटनाएं शायद ही सुर्खियां बनती हैं।"
कैस्परस्की ने भू-राजनीतिक विभाजन के कारण साइबर जगत के खंडित होने और साइबर अपराध के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय सहयोग में बाधा आने पर चिंता व्यक्त की।
उन्होंने कहा, "साइबर जगत में कोई सीमा नहीं है। इसलिए, दुर्भाग्य से, बुरे लोग कहीं भी, किसी भी पीड़ित पर हमला करने के लिए स्वतंत्र महसूस करते हैं... कई देशों के बीच अब कोई सहयोग नहीं है। दुर्भाग्य से यही हकीकत है।"
कैस्परस्की ने कहा कि पेशेवर हैकर परिष्कृत हमलावर कोड विकसित करने और हमलों को अनुकूलित करने के लिए एआई का इस्तेमाल कर रहे हैं। वहीं, साइबर सुरक्षा कंपनियां ग्राहकों की सुरक्षा के लिए एआई का इस्तेमाल विसंगतियों का पता लगाने और फर्जी कोड के विश्लेषण में कर रही हैं। ऐसे में चुनौती लगातार विरोधियों से आगे रहने की है।
कैस्परस्की ने साइबर हमले से बचाव करने वालों को नए मानक अपनाने, लचीलेपन को प्राथमिकता देने और एआई-संचालित हमलों के लिए तैयार रहने का सुझाव दिया। उन्होंने आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुरक्षित करने के बढ़ते महत्व पर भी जोर दिया, क्योंकि हमलावर इनका तेजी से शोषण कर रहे हैं। तेजी से बदलते खतरे के परिदृश्य के जवाब में कैस्परस्की ने पारंपरिक सुरक्षा मॉडल से 'साइबर प्रतिरक्षा प्रणाली' में बदलाव की वकालत की।

द बॉडी शॉप इंडिया ने अपने विकास की रफ्तार बनाए रखने के लिए कीमतों में कटौती की रणनीति अपनाई

नए ग्राहकों को जोड़ने और भारत में विस्तार को गति देने के लिए 12 लोकप्रिय उत्पादों की कीमतें घटाई गईं

» सब का सपना संवाददाता

भारत, 25 अप्रैल 2025: द बॉडी शॉप इंडिया ने अपने 12 सबसे लोकप्रिय उत्पादों की कीमतें कम करने की रणनीति शुरू की है। इसका उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा ग्राहकों को इस ब्रांड से जोड़ना और उन्हें इसकी दुनिया से परिचित कराना है। यह रणनीति भारतीय उपभोक्ताओं की पसंद को समझने और ब्यूटी बाजार में प्रतिस्पर्धा में आगे बने रहने के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।
क्वेस्ट रिटेल के ग्रुप सीईओ राहुल शंकर ने कहा, "यह दूरदर्शी रणनीति हमारे मूल्यों पर आधारित है और ग्राहकों की वास्तविक जरूरतों से प्रेरित है। बीते दो दशकों से भारतीय ग्राहकों ने हमारे मूल्यों और सिद्धांतों के लिए हमें पसंद किया है। यदि हमें सचमुच समावेशी बनना है, तो उत्पादों की पहुंच को अधिक सार्थक और स्थायी बनाना होगा। हमारा उद्देश्य अगली पीढ़ी के लिए नैतिक सौंदर्य को सुलभ बनाना है, चैनल और जेंडर से परे, मूल्यों से प्रेरित और जागरूक उपभोग को ध्यान में रखते हुए।"
इस रणनीति के समर्थन में द बॉडी शॉप इंडिया ने #मोर लव फॉर लेसर नाम से एक नया अभियान शुरू किया है, जो नई कीमतों के प्रति ग्राहकों के उत्साह, खुशी और अपनापन को उजागर करता है। डिजिटल-प्रथम दृष्टिकोण के तहत तैयार यह अभियान भारतीय उपभोक्ताओं की विविधता को रचनात्मक रूप से दर्शाता है। यह उपभोक्ताओं की अनगढ़, असली प्रतिक्रियाओं को सामने लाता है-कैसे वे इस बदलाव को अपना रहे हैं, ट्रेंड के अनुसार प्रोडक्ट्स खरीद रहे हैं, दिल खोलकर उपहार दे रहे हैं और अपने पसंदीदा रिचुअल्स को फिर से जी रहे हैं। यह कहानी भावनात्मक रूप से जुड़ती है और हर आयु वर्ग के किरदारों को शामिल करती है। वही भरोसेमंद सामग्री और विश्वसनीय फॉर्मूलेशन अब बेहतर कीमतों पर उपलब्ध कराकर द बॉडी शॉप यह दिखा रही है कि वह अपने ग्राहकों की परवाह करती है। इस रणनीतिक बदलाव के साथ, द बॉडी शॉप ने उन उत्पादों को और सुलभ बना दिया है, जिन्हें उपभोक्ता पहले से पसंद करते हैं और जिन पर उन्हें भरोसा है। यह कोई तात्कालिक या प्रतिक्रियात्मक निर्णय नहीं है, बल्कि सभी बिक्री चैनलों पर ब्रांड की दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है। नैतिक सोर्सिंग, उच्च गुणवत्ता और ब्रांड मूल्यों को बनाए रखते हुए कीमतों में कटौती करके द बॉडी शॉप भारत के तेजी से बदलते और प्रतिस्पर्धी ब्यूटी बाजार में निरंतर विकास और ग्राहक वफादारी के लिए मजबूत आधार बना रहा है।

हम 2028 तक बुलेट ट्रेन में यात्रा कर सकेंगे: फडणवीस

मुंबई (एजेंसी) महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने सोमवार को कहा कि जापान के सहयोग से बन रही 15 अरब डॉलर की लागत वाली मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन का काम 2028 तक पूरा हो जाएगा। फडणवीस ने कहा कि राज्य अपने बुनियादी ढांचे के विकास के लिए अंतरराष्ट्रीय वित्तपोषकों से 50 अरब अमेरिकी डॉलर जुटाने पर विचार कर रहा है। इसके लिए चार महीने में घोषणा की जाएगी।
शिवसेना के उद्धव ठाकरे का नाम लिए बिना फडणवीस ने कहा कि बुलेट ट्रेन परियोजना को 2022 तक के दो वर्ष के शासन के दौरान नुकसान उठाना पड़ा, लेकिन अब काम पूरी तेजी से जारी है।
फडणवीस ने कहा, '' 2028 तक हम बुलेट ट्रेन में यात्रा कर सकेंगे।''
उन्होंने स्वीकार किया कि पड़ोसी राज्य गुजरात इस परियोजना के विकास में महाराष्ट्र से आगे है।
फडणवीस ने कहा कि 1000 अरब अमेरिकी डॉलर के राज्य सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के लक्ष्य को हासिल करने के लिए बुनियादी ढांचे का निर्माण बहुत महत्वपूर्ण है। 2014-19 के बीच मुख्यमंत्री के रूप में उनके पहले कार्यकाल के दौरान बुनियादी ढांचे के निर्माण में 30 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश किया गया था और अब महत्वपूर्ण परियोजनाओं में अधिक धन लगाया जा रहा है।
वीआरएफ द्वारा भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारा (आईएमईसी) परियोजना पर यहां आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि वधावन बंदरगाह अगले तीन से चार वर्ष में चालू हो जाएगा। इस बंदरगाह से लॉजिस्टिक लागत कम करने में मदद मिलेगी।
मुख्यमंत्री ने साथ ही बताया कि महाराष्ट्र नासिक से वधावन बंदरगाह तक राजमार्ग का निर्माण कर रहा है, जिससे राज्य के 17 जिले आधुनिक बंदरगाह से जुड़ सकेंगे। फडणवीस ने कहा कि राज्य नागपुर को गोवा से जोड़ने के लिए शक्तिपीठ राजमार्ग का निर्माण कर रहा है। पिछड़े क्षेत्रों से गुजरने वाली यह सड़क परियोजना आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने में भी मदद करेगी।
मुख्यमंत्री ने कहा कि मुंबई और महाराष्ट्र आईएमईसी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। साथ ही आश्वासन दिया कि राज्य इस परियोजना को सफल बनाने के लिए सुविधाजनक परिवेश तैयार करेगा।

पाकिस्तान को भारतीय वस्तुओं के अप्रत्यक्ष निर्यात की जांच कर रही है सरकार: सूत्र

नयी दिल्ली (एजेंसी) सरकार तीसरे देशों के रास्ते पाकिस्तान को भारतीय वस्तुओं के अप्रत्यक्ष निर्यात की मात्रा का पता लगाने के लिए आंकड़े एकत्रित कर रही है।
सूत्रों ने यह जानकारी देते हुए कहा कि इस कवायद का मकसद पड़ोसी देश तक इस तरह की खेप को रोकना है।
उन्होंने कहा कि पाकिस्तान द्वारा भारतीय एयरलाइंस के लिए अपने हवाई क्षेत्र को बंद करने के मद्देनजर सरकार उद्योग के साथ मिलकर हवाई मार्ग के जरिये माल पहुंचाने के वैकल्पिक मार्गों पर विचार कर रही है।
पश्चिम एशिया के देशों को फूल, फल और सब्जियों जैसे सामान हवाई मार्गों के जरिये निर्यात किए जाते हैं। ये प्रतिबंध पिछले हफ्ते पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकवादी हमले के बाद लगाए गए हैं। इस भीषण घटना में 26 लोग मारे गए थे।
सूत्रों ने कहा कि निर्यात के आंकड़े सीमा शुल्क, निर्यात संवर्धन परिषदों और अन्य विभागों से जमा किए जा रहे हैं।
आर्थिक शोध संस्थान जीटीआरआई के अनुसार 10 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक मूल्य का भारतीय माल हर साल दुबई, सिंगापुर और कोलंबो जैसे बंदरगाहों के माध्यम से अप्रत्यक्ष रूप से पाकिस्तान पहुंच रहा है।
ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने कहा कि भारतीय कंपनी इन बंदरगाहों पर माल भेजती हैं, जहां एक स्वतंत्र कंपनी माल उतारती है और उत्पादों को बॉन्डेड वेयरहाउस में रखती है, जहां माल को शुल्क का भुगतान किए बिना रखा जा सकता है।
संस्थान ने कहा कि इसके बाद माल के लेबल और दस्तावेजों को मूल देश से अलग दिखाने के लिए संशोधित किया जाता। ऐसे में लगता है कि माल किसी तीसरे देश से आ रहा है और फिर उसे ऊंचे दामों पर बेचा जाता है।
जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, "हालांकि, यह मॉडल हमेशा अवैध नहीं होता है, लेकिन यह गुमराह करने जैसा है। इससे पता चलता है कि कैसे कारोबारी व्यापार जारी रखने के लिए रचनात्मक तरीके खोजते हैं। कई बार उनकी चाल सरकारों की प्रतिक्रिया से भी तेज होती है।" उन्होंने कहा कि जीटीआरआई का अनुमान है कि इस मार्ग से सालाना 10 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक मूल्य का सामान भारत से पाकिस्तान पहुंचता है।

कार्यालय ग्राम पंचायत गजाना, वि.खं अमरोहा , जनपद अमरोहा

पत्रांकः मीमो/ग्रा.पं./विकास कार्य/निविदा कुटेशन/2025-26 दिनांक - 29.04.2025

अल्पकालीन संसोधित निविदा /कुटेशन सूचना

समस्त अधिकृत फर्मों, पंजीकृत विक्रेताओं को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत- गजाना, विकासखंड व जनपद अमरोहा में वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु ग्राम पंचायत द्वारा अनुमोदित जीपीडीपी वित्त वर्ष 2025-26 के अनुसार राज्य वित्त आयोग/केंद्रीय वित्त आयोग, मनरेगा, स्वच्छ भारत मिशन अथवा ओडीएफ प्लस आरजीएसए, पंचायत पुरस्कार से प्राप्त धनराशि बहुद्देश्य पंचायत घर योजना व अन्य शासकीय मदों से निर्माण कार्य हेतु ग्राम पंचायत द्वारा निविदा/कोटेशन आमंत्रित की जाती है इच्छुक फर्म / आपूर्तिकर्ता दिनांक 29-04-2025 से दिनांक 07-05-2025 तक सील बंद निविदावे / कोटेशन और अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में प्रातः 10:00 बजे से लेकर दोपहर 2:00 बजे तक ग्राम पंचायत कार्यालय में रखे बॉक्स में जमा कर सकते हैं जो कि दिनांक-08-05- 2025 को ग्राम पंचायत कमेटी के समक्ष ग्राम पंचायत कार्यालय (सचिवालय) में प्रातः 11 बजे खोली जाएगी। स्वीकृत निविदा/ कोटेशन के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत में उपलब्ध धनराशि के आधार पर ग्राम पंचायत के लिखित आदेश पर की जाएगी। आवश्यकतानुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत (ग्राम प्रधान एवं सचिव) के लिखित आदेश पर की जाएगी। सामग्री की मात्रा आवश्यकतानुसार घटाई / बढ़ाई जा सकती है सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि में स्वीकृत दर पर निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। सामग्री की आपूर्ति का भुगतान अधोहस्ताक्षरी की स्वीकृति के उपरांत ही किया जाएगा। आपूर्तिकर्ता का जीएसटी पंजीकरण संबंधित विभाग में होना अनिवार्य है तथा 3 वर्षों का जीएसटी व इनकम टैक्स रिटर्न, जीएसटी पंजीयन प्रमाण पत्र, पैन कार्ड आधार कार्ड कार्यालय में देना अनिवार्य है तथा फर्म या फर्म स्वामी को किसी भी विभाग द्वारा ब्लैक लिस्ट ना होने का शपथ पत्र 100 के स्टॉम पर प्रस्तुत करना अनिवार्य है प्रस्तुत दरें पीडब्ल्यूडी की दरो के अनुरूप पीडब्ल्यूडी के रेट ऑफ शेडयूल के अनुसार होगी। सामग्री के आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेश अनुसार निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत की जानी अनिवार्य है। सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नहीं पाए जाने पर भुगतान की धनराशि में नियम अनुसार कटौती कर ली जाएगी। निविदा को बिना कारण बताएं निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत को होगा तथा निविदा प्रक्रिया में एवं ऋण /प्रदाय प्रक्रिया के मध्य किसी प्रकार का विवाद होने की दशा में उसका निराकरण न्यायालय क्षेत्र अमरोहा उत्तर प्रदेश के अधीन होगा।

क.स.	सामग्री का नाम	मात्रा	दर
1	सीमेंट	प्रति बैग	
2	बालू रेत/लोकल रेल	घन मी.	
3	बजरफुट	घन मी.	
4	20 एम.एम. बजरी	घन मी.	
5	40 एम.एम. बिक ब्लास्ट	घन मी.	
6	ईंट प्रथम श्रेणी एम-150	प्रति हज़ार	
7	ईंट बालदार एम-275	प्रति हजार	
8	सी.सी. इंटरलॉकिंग टाइल्स 80 एम. एम. सफेद	प्रति नग (एक)	
9	सी.सी. इंटरलॉकिंग टाइल्स 80 एम. एम. रंगीन	प्रति नग (एक)	
10	दीवार टाइल्स	प्रति वर्ग मीटर	
11	फर्श टाइल्स	प्रति वर्ग मीटर	
12	सरिया/डोर माईल्डस	प्रति कुंतल	
13	लोहे का जाल	प्रति कुंतल	
14	मिटटी दूरी सहित कार्टेज मिट्टी	प्रति घन मीटर	
15	आफिस फर्नीचर, कम्प्यूटर प्रिन्टर, इन्वेंटर, बैटरी सोसी टी.बी. कैमरा, अलमानी, दरी, पंखा, डेस्कटॉप, सोलर पैनल, आदि उपयुक्त होने वाली सामग्री	प्रति नग	
16	लकड़ी के दरवाजे / कामर्शियल/टेम्बर/प्लाई	प्रति घन मीटर	
17	बाल पेंटिंग	प्रति वर्ग मोटर	
18	सोलर लाईट/नया/मरम्मत उपकरण	प्रति नग	
19	सैनेट्री सामग्री/ सफाई किट	प्रति नग	
20	बिजली उपकरण/विद्युत मोटर	प्रति नग	
21	लोहे का फेन्सिंग तार	प्रति किग्रा.	
22	आवरन एंगिल, टीनशेड	प्रति किग्रा.	
23	फोगिंग मशीन / स्प्रे मशीन	प्रति नग	
24	आर.सी.सी. बेंच	प्रति नग	
25	डस्टबिन, प्लास्टिक बैंक	प्रति नग	
26	स्ट्रीट एल.ई.डी. लाईट 45 वाट/सोलर लाईट	प्रति नग	
27	कीट नाशक/बिल्डिंग पाउडर/ हाइपोक्लोराइड	प्रति किग्रा./ली.	
28	फर्नीचर स्कूल बेच कम्पलीट	प्रति नग	
29	पेन्ट/डिस्टेम्पर / प्राईमर लकड़ी/लोहा	प्रति लीटर	
30	प्राईमर लोहा लकड़ी	प्रति लीटर	
31	शौचालय शीट/यूरिन शीट	प्रति नग	
32	हैण्डपम्प रिबोर / नया/मरम्मत उपकरण	प्रति नग / फिट	

नोट- 1. निविदा प्रपत्र का विक्रय मूल्य रु 100 होगा।
2. यदि किसी भी फर्म /सप्लायर के लिए कोई भी नया विभागीय नियम प्रचालन मे आता है तो सम्बंधित को उसकी कार्यवाही के मनको को अनिवार्य रूप से पूर्ण करना होगा
3. सामान दरें होने पर ग्राम पंचायत एक से अधिक फर्मों को सामग्री आपूर्ति के लिए अधिकृत कर सकती है।
4. सफल निविदादाता को सामग्री आपूर्ति की अनुमानित लगत की 2% धनराशी जमानत के रूप मे ग्राम पंचायत के पास जमा करनी होगी जोकि अनुबंध की शर्तों का अनुपालन न करने पर जब्त कर ली जाएगी

सचिव
ग्राम पंचायत- गजाना
वि.ख .अमरोहा , जनपद अमरोहा

ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत- गजाना
वि.ख .अमरोहा , जनपद अमरोहा

कार्यालय ग्राम पंचायत देहरा , वि.खं अमरोहा , जनपद अमरोहा

पत्रांकः मीमो/ग्रा.पं./विकास कार्य/निविदा कुटेशन/2025-26 दिनांक - 29.04.2025

अल्पकालीन संसोधित निविदा /कुटेशन सूचना

समस्त अधिकृत फर्मों, पंजीकृत विक्रेताओं को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत- देहरा , विकासखंड व जनपद अमरोहा में वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु ग्राम पंचायत द्वारा अनुमोदित जीपीडीपी वित्त वर्ष 2025-26 के अनुसार राज्य वित्त आयोग/केंद्रीय वित्त आयोग, मनरेगा, स्वच्छ भारत मिशन अथवा ओडीएफ प्लस आरजीएसए, पंचायत पुरस्कार से प्राप्त धनराशि बहुद्देश्य पंचायत घर योजना व अन्य शासकीय मदों से निर्माण कार्य हेतु ग्राम पंचायत द्वारा निविदा/कोटेशन आमंत्रित की जाती है इच्छुक फर्म / आपूर्तिकर्ता दिनांक 29-04-2025 से दिनांक 08-05-2025 तक सील बंद निविदावे / कोटेशन और अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में प्रातः 10:00 बजे से लेकर दोपहर 2:00 बजे तक ग्राम पंचायत कार्यालय में रखे बॉक्स में जमा कर सकते हैं जो कि दिनांक-09-05- 2025 को ग्राम पंचायत कमेटी के समक्ष ग्राम पंचायत कार्यालय (सचिवालय) में प्रातः 11 बजे खोली जाएगी। स्वीकृत निविदा/ कोटेशन के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत में उपलब्ध धनराशि के आधार पर ग्राम पंचायत के लिखित आदेश पर की जाएगी। आवश्यकतानुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत (ग्राम प्रधान एवं सचिव) के लिखित आदेश पर की जाएगी। सामग्री की मात्रा आवश्यकतानुसार घटाई / बढ़ाई जा सकती है सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि में स्वीकृत दर पर निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। सामग्री की आपूर्ति का भुगतान अधोहस्ताक्षरी की स्वीकृति के उपरांत ही किया जाएगा। आपूर्तिकर्ता का जीएसटी पंजीकरण संबंधित विभाग में होना अनिवार्य है तथा 3 वर्षों का जीएसटी व इनकम टैक्स रिटर्न, जीएसटी पंजीयन प्रमाण पत्र, पैन कार्ड आधार कार्ड कार्यालय में देना अनिवार्य है तथा फर्म या फर्म स्वामी को किसी भी विभाग द्वारा ब्लैक लिस्ट ना होने का शपथ पत्र 100 के स्टॉम पर प्रस्तुत करना अनिवार्य है प्रस्तुत दरें पीडब्ल्यूडी की दरो के अनुरूप पीडब्ल्यूडी के रेट ऑफ शेडयूल के अनुसार होगी। सामग्री के आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेश अनुसार निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत की जानी अनिवार्य है। सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नहीं पाए जाने पर भुगतान की धनराशि में नियम अनुसार कटौती कर ली जाएगी। निविदा को बिना कारण बताएं निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत को होगा तथा निविदा प्रक्रिया में एवं ऋण /प्रदाय प्रक्रिया के मध्य किसी प्रकार का विवाद होने की दशा में उसका निराकरण न्यायालय क्षेत्र अमरोहा उत्तर प्रदेश के अधीन होगा।

क.स.	सामग्री का नाम	मात्रा	दर
1	सीमेंट	प्रति बैग	
2	बालू रेत/लोकल रेल	घन मी.	
3	बजरफुट	घन मी.	
4	20 एम.एम. बजरी	घन मी.	
5	40 एम.एम. बिक ब्लास्ट	घन मी.	
6	ईंट प्रथम श्रेणी एम-150	प्रति हज़ार	
7	ईंट बालदार एम-275	प्रति हजार	
8	सी.सी. इंटरलॉकिंग टाइल्स 80 एम. एम. सफेद	प्रति नग (एक)	
9	सी.सी. इंटरलॉकिंग टाइल्स 80 एम. एम. रंगीन	प्रति नग (एक)	
10	दीवार टाइल्स	प्रति वर्ग मीटर	
11	फर्श टाइल्स	प्रति वर्ग मीटर	
12	सरिया/डोर माईल्डस	प्रति कुंतल	
13	लोहे का जाल	प्रति कुंतल	
14	मिटटी दूरी सहित कार्टेज मिट्टी	प्रति घन मीटर	
15	आफिस फर्नीचर, कम्प्यूटर प्रिन्टर, इन्वेंटर, बैटरी सोसी टी.बी. कैमरा, अलमानी, दरी, पंखा, डेस्कटॉप, सोलर पैनल, आदि उपयुक्त होने वाली सामग्री	प्रति नग	
16	लकड़ी के दरवाजे / कामर्शियल/टेम्बर/प्लाई	प्रति घन मीटर	
17	बाल पेंटिंग	प्रति वर्ग मोटर	
18	सोलर लाईट/नया/मरम्मत उपकरण	प्रति नग	
19	सैनेट्री सामग्री/ सफाई किट	प्रति नग	
20	बिजली उपकरण/विद्युत मोटर	प्रति नग	
21	लोहे का फेन्सिंग तार	प्रति किग्रा.	
22	आवरन एंगिल, टीनशेड	प्रति किग्रा.	
23	फोगिंग मशीन / स्प्रे मशीन	प्रति नग	
24	आर.सी.सी. बेंच	प्रति नग	
25	डस्टबिन, प्लास्टिक बैंक	प्रति नग	
26	स्ट्रीट एल.ई.डी. लाईट 45 वाट/सोलर लाईट	प्रति नग	
27	कीट नाशक/बिल्डिंग पाउडर/ हाइपोक्लोराइड	प्रति किग्रा./ली.	
28	फर्नीचर स्कूल बेच कम्पलीट	प्रति नग	
29	पेन्ट/डिस्टेम्पर / प्राईमर लकड़ी/लोहा	प्रति लीटर	
30	प्राईमर लोहा लकड़ी	प्रति लीटर	
31	शौचालय शीट/यूरिन शीट	प्रति नग	
32	हैण्डपम्प रिबोर / नया/मरम्मत उपकरण	प्रति नग / फिट	

नोट- 1. निविदा प्रपत्र का विक्रय मूल्य रु 100 होगा।
2. यदि किसी भी फर्म /सप्लायर के लिए कोई भी नया विभागीय नियम प्रचालन मे आता है तो सम्बंधित को उसकी कार्यवाही के मनको को अनिवार्य रूप से पूर्ण करना होगा
3. सामान दरें होने पर ग्राम पंचायत एक से अधिक फर्मों को सामग्री आपूर्ति के लिए अधिकृत कर सकती है।
4. सफल निविदादाता को सामग्री आपूर्ति की अनुमानित लगत की 2% धनराशी जमानत के रूप मे ग्राम पंचायत के पास जमा करनी होगी जोकि अनुबंध की शर्तों का अनुपालन न करने पर जब्त कर ली जाएगी

सचिव
ग्राम पंचायत- देहरा
वि.ख .अमरोहा , जनपद अमरोहा

ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत- देहरा
वि.ख .अमरोहा , जनपद अमरोहा

पढ़ाई की उड़ान में बने हमसफर

सीएसके के खिलाड़ियों ने फेडएक्स केयर के साथ 'लेट्स रीड' के बच्चों से की मुलाकात

» सब का सपना संवाददाता

चेन्नई सुपर किंग्स के कुछ मशहूर खिलाड़ियों ने मुंबई में फेडएक्स केयर से जुड़े कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर 'लेट्स रीड' प्रोग्राम से जुड़े बच्चों से मुलाकात की। फेडएक्स और यूनाइटेड वे मुंबई की मदद से चल रही यह पहल अब तक मुंबई, बेंगलुरु और हैदराबाद के 1000 से ज्यादा बच्चों तक पहुँच चुकी है। इसका मकसद है—बच्चों को पढ़ने की आदत से जोड़कर समुदायों को मज़बूत बनाना।
फेडरल एक्सप्रेस कॉर्पोरेशन दुनिया की सबसे बड़ी एक्सप्रेस डिलीवरी कंपनी है। यह 220 से अधिक देशों और इलाकों में तेज़ और भरोसेमंद डिलीवरी करती है। समय पर डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए यह कंपनी हवाई और ज़मीनी नेटवर्क का इस्तेमाल करती है।
लेट्स रीड प्रोग्राम यूनाइटेड वे मुंबई की एक पहल है, जो उन बच्चों को पढ़ाई के नज़दीक लाता है, जो समाज के हाशिए पर हैं। इस कार्यक्रम के ज़रिये बच्चों को उनकी उम्र और संस्कृति के अनुसार किताबें उनकी भाषा में दी जाती हैं। यह पहल भारत की नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप है और इसका मकसद है-बच्चों की सोचने की क्षमता, कल्पना और बातचीत की कला को मज़ेदार तरीक़े से बढ़ाना।

इस कार्यक्रम के ज़रिये

- 130 चुनी हुई किताबों के छोटे-छोटे पुस्तकालय बनाए जा रहे हैं
- हर बच्चे को उसके अपने लिए किताबों का सेट दिया जा रहा है
- बच्चों के लिए मज़ेदार पढ़ाई सत्र करवाए जा रहे हैं
- पढ़ाई को मजेदार और समावेशी अनुभव बनाने के लिये शिक्षकों का प्रशिक्षण

संक्षिप्त समाचार

बीसीसीआई से 'विनम्र' कानूनी पत्र मिलने के बाद ऑस्ट्रेलियाई पॉडकास्टर ने आईपीएल के वीडियो हटाए

सिडनी (एजेंसी) भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से एक 'विनम्र कानूनी पत्र' मिलने के बाद लोकप्रिय ऑस्ट्रेलियाई पॉडकास्ट से जुड़े सैम पैरी और इयान हिगिंस ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से मौजूदा इंडियन प्रीमियर लीग के कवरेज से जुड़े सभी वीडियो हटा दिए हैं। पैरी और हिगिंस 'द ग्रेड क्रिकेटर' की मेजबानी करते हैं। उन्हें इस सप्ताहांत बीसीसीआई और आईपीएल से एक कानूनी नोटिस मिला। पैरी ने सोमवार को पॉडकास्ट पर कहा, "आपने देखा होगा कि इस साल के क्रिकेट टूर्नामेंट के हमारे कवरेज से जुड़े प्रत्येक वीडियो को यूट्यूब, यूट्यूब शॉर्ट्स, फेसबुक, इंस्टाग्राम और एक्स से हटा दिया गया है।" उन्होंने कहा, "यह कुछ ऐसा है जो हमने खुद किया है। हमारे साथ ऐसा किसी और ने नहीं किया, हमने ये वीडियो हटा दिए हैं। ऑस्ट्रेलियाई समय के अनुसार शनिवार शाम को हमें क्रिकेट टूर्नामेंट से जुड़ी हमारी सामग्री के बारे में एक बहुत ही विनम्र कानूनी पत्र मिला जो विशेष रूप से मौजूदा सत्र से संबंधित है।" पैरी ने कहा, "परिणामस्वरूप हमने उन वीडियो को हटाने का फैसला किया।" 'सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड' की खबर के अनुसार कानूनी नोटिस में कहा गया था कि ग्रेड क्रिकेटर के आईपीएल वीडियो में टूर्नामेंट की स्टिल तस्वीरें दिखाईं जिन्हें बीसीसीआई 'संपादकीय' उद्देश्य की जगह 'व्यावसायिक' इस्तेमाल मानता है। आईपीएल ने अपने मीडिया परामर्श में हमेशा स्पष्ट किया है कि वे जो ऑडियो और वीडियो प्रदान करते हैं, वे केवल संपादकीय उपयोग के लिए हैं। आईपीएल के मीडिया परामर्श के अनुसार, "मीडिया को संपादकीय उपयोग के लिए अपनी संबंधित वेबसाइट या मोबाइल एप्लीकेशन पर प्रेस कांफ्रेंस वीडियो/ऑडियो का उपयोग करने की अनुमति है। प्रेस कांफ्रेंस का वीडियो/ऑडियो यूट्यूब, फेसबुक, इंस्टाग्राम और एक्स सहित अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपलोड नहीं किया जा सकता है।" पैरी और हिगिंस दोनों इस सप्ताह कुछ लाइव शो के लिए भारत आने वाले हैं।

महाराष्ट्र क्रिकेट संघ एनसीए की तर्ज पर क्रिकेट अकादमी शुरू करेगा

Page 8

पुणे (एजेंसी) महाराष्ट्र क्रिकेट संघ (एमसीए) के अध्यक्ष रोहित पवार ने कहा कि संघ बेंगलुरू स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (पहले एनसीए) की तर्ज पर अपनी क्रिकेट अकादमी शुरू करने के साथ उससे जुड़ा हुआ 'क्षेत्रीय केंद्र' भी बनाएगा। एमसीए इसकी शुरुआत छह जिला क्रिकेट संघों को 75-75 लाख रुपये की वित्तीय सहायता से करेगा और भविष्य में अन्य निकायों को भी इसी प्रकार की सहायता दी जाएगी। एमसीए के अधिकार क्षेत्र में कुल 21 जिले हैं और जिन छह जिलों को शुरुआती सहायता मिली है वे हैं जालना, छत्रपति संभाजीनगर, पुणे, कोल्हापुर, सतारा और परभणी। अकादमी का नाम 'अजय शिर्के-महाराष्ट्र क्रिकेट अकादमी' रखा जाएगा। शिर्के एमसीए के पूर्व अध्यक्ष है और उन्होंने बीसीसीआई में कोषाध्यक्ष और सचिव के रूप में भी काम किया था। एमसीए अध्यक्ष पवार ने शासी निकाय के 'महावंदन एमसीए पुरस्कार 2025' समारोह के दौरान यह घोषणा की। पूर्व कप्तान शुभांगी कुलकर्णी को इस मौके पर एमसीए जीवनपर्यंत पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जबकि पिछले साल जून में संन्यास लेने वाले पूर्व भारतीय खिलाड़ी केदार जाधव को महाराष्ट्र और भारतीय क्रिकेट में उनके 'उल्लेखनीय योगदान' के लिए 'लीजेंडरी क्रिकेटर' पुरस्कार दिया गया।

टी20 क्रिकेट में साझेदारियों का महत्व भूल रहे हैं लोग: कोहली

नयी दिल्ली (एजेंसी) भारतीय दिग्गज विराट कोहली ने टी20 क्रिकेट में साझेदारी बनाने के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि इसका महत्व उन पिचों पर और बढ़ जाता है जहां बड़ा स्कोर बनाना संभव नहीं होता है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मौजूदा सत्र में पिचें धीमी रही हैं, जिससे बल्लेबाजों को क्रीज पर आते ही आक्रामक रवैया अपनाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और दिल्ली कैपिटल्स के बीच रविवार को यहां खेले गये मैच में हालांकि कोहली और लोकेश राहुल ने दिखाया कि चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों से कैसे निपटा जाना चाहिये। कोहली ने रविवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आईपीएल की 10 पारियों में अपना छठा अर्धशतक लगाया, जिससे आरसीबी ने मौजूदा सत्र में घरेलू मैदान से बाहर अपना अजेय क्रम जारी रखा है।

कोहली ने दिल्ली पर छह विकेट की जीत के बाद प्रसारकों से कहा, '' इस पिच को देखते हुए यह एक बेहतरीन जीत थी। हमने यहां कुछ मैच देखे और यह विकेट उन मैचों की तुलना में अलग था। जब भी कोई लक्ष्य का पीछा करता है, तो मैं डगआउट से नजर रखता हूं कि हम सही दिशा में आगे बढ़ रहे है या नहीं।''

आसीबी ने जीत के लिए 163 रन का पीछा करते हुए 26 रन पर तीन विकेट गंवा दिये थे लेकिन कोहली (51) ने कृणाल पंड्या (नाबाद 73) के साथ चौथे विकेट के लिये 84 गेंद में 119 रन की साझेदारी कर जीत की नींव रखी। कोहली ने अपनी बल्लेबाजी के बारे में कहा कि वह परिस्थितियों का आकलन कर उसके अनुसार खेल की अपनी शैली में बदलाव करते हैं।

कोहली से जब पूछा गया कि लक्ष्य का पीछा करते समय वह किस तरह से योजना बनाते है तो उन्होंने कहा, '' मैं देखता हूं कि टीम को कितना स्कोर करना है, परिस्थितियां कैसी हैं। कौन से गेंदबाज गेंदबाजी करने वाले हैं। कौन से

गेंदबाज हैं जिनके खिलाफ रन बनाना मुश्किल हो सकता है।'' उन्होंने कहा, ''मैं कोशिश करता हूं कि मैं दौड़कर एक और दो रन लेते रहूं ताकि स्कोर बोर्ड पर रुकावट नहीं आये। लोग इस प्रारूप में साझेदारी के महत्व को भूल रहे हैं और इस टूर्नामेंट में साझेदारी और गेंदबाजों पर हावी होने की कोशिश का अच्छा परिणाम मिल रहा है।''

कृणाल अपनी पारी की शुरुआत में संघर्ष कर रहे थे लेकिन पिच और परिस्थितियों से तालमेल कायम करने के बाद नौ वर्षों में अपना पहला अर्धशतक लगाने में सफल रहे। कोहली ने कहा, ''कृणाल ने शानदार प्रदर्शन किया। उसके पास मैच पर अपना प्रभाव छोड़ने की क्षमता है और यह सही समय था। हम लगातार बातचीत कर रहे थे जिसमें कृणाल मुझे क्रीज पर डटे रहने का सुझाव दे रहा था। वह इस दौरान अपने मौके का फायदा उठाता रहा।''

कोहली के आउट होने के बाद टिम डेविड ने सिर्फ पांच गेंदों पर 19 रन बनाकर टीम को नौ गेंद शेष रहते जीत दिला दी।

टीम के आखिरी ओवरों के विशेषज्ञ बल्लेबाजों के बारे में पूछे जाने पर कोहली ने कहा, ''हमारे पास टिम डेविड के रूप में अतिरिक्त ताकत है, साथ ही जितेश (शर्मा) भी है। पारी के अंत में उनकी ताकत निश्चित रूप से आपकी मदद करती है।

टीम में अब रोमारियो (शेपर्ड) का भी विकल्प है।'' उन्होंने कृणाल और सुयश शर्मा की स्पिन जोड़ी की भी प्रशंसा की। कोहली ने कहा, '' जोश हेजलवुड और भुवी (भुवनेश्वर कुमार) विश्व स्तरीय गेंदबाज हैं, यही कारण है कि जोश के पास पर्पल कैप है।''

उन्होंने कहा, ''कृणाल जिस तरह से अपनी गति में विविधता लाया, वह लाजवाब था। सुयश को ज्यादा विकेट नहीं मिले है लेकिन वह हमारे लिए छुपे रुस्तम रहे हैं हमारे स्पिनर बीच के ओवरों में लगातार आक्रमण करते रहते हैं।''

बीसीसीआई सीओई में स्पिन कोच की भूमिका के लिए सुनील जोशी सबसे बड़े दावेदार

नयी दिल्ली (एजेंसी) भारत के बाएं हाथ के पूर्व स्पिनर सुनील जोशी ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में स्पिन गेंदबाजी कोच के पद के लिए अपनी दावेदारी पेश की है।

यह पद इस साल की शुरुआत में साईराज बहुतुले के इस्तीफे के बाद खाली हो गया था। बहुतुले आईपीएल टीम राजस्थान रॉयल्स से जुड़ गये थे। सीओई को पहले राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के रूप में जाना जाता था। यह पहले बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में स्थित था। आधुनिक सुविधाओं से लैस सीओई का संचालन हालांकि बेंगलुरु शहर के बाहरी इलाके बने बेहद बड़े परिसर में हो रहा है।

भारत के लिए 1996 से 2002 के बीच 15 टेस्ट और 69 एकदिवसीय मैच खेलने वाले 54 साल के जोशी मौजूदा समय में पंजाब किंग्स आईपीएल टीम में रिकी पोंटिंग के साथ काम कर रहे हैं। उन्होंने घरेलू सत्र के दौरान उत्तर प्रदेश को भी कोचिंग दी है।

उन्होंने बांग्लादेश की राष्ट्रीय पुरुष टीम के साथ स्पिन गेंदबाजी सलाहकार के रूप में भी काम किया है। बीसीसीआई के सूत्रों के अनुसार जोशी सीओई के क्रिकेट प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण, पुरुष चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर और महाप्रबंधक (क्रिकेट संचालन) अब्बे कुरुविला सहित तीन सदस्यीय पैनल के सामने ऑनलाइन साक्षात्कार के लिए उपस्थित हुए।

साक्षात्कार के लिए चार अन्य लोग भी व्यक्तिगत रूप से उपस्थित हुए जिनमें भारत की अंडर-19 महिला टीम की कोच नूशिन अल खादीर भी शामिल हैं। वह अपने खेल के दिनों में ऑफ स्पिनर थीं। उन्होंने पांच टेस्ट और 78 वनडे मैचों में देश का प्रतिनिधित्व किया और पिछले कुछ वर्षों से एनसीए प्रणाली का हिस्सा रही हैं।

राकेश ध्रुव को एक और मजबूत उम्मीदवार माना जा रहा है। वह गुजरात और सौराष्ट्र के बाएं हाथ के पूर्व स्पिनर हैं। विदर्भ के अनुभवी ऑफ स्पिनर प्रीतम गंधे ने भी इस पद के लिए साक्षात्कार दिया है।

बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी से इस पद के लिए साक्षात्कार के बारे में जब पूछा गया तो उन्होंने कहा, ''जाहिर है सुनील जोशी के पास अन्य सभी उम्मीदवारों की तुलना में सबसे अच्छा सीवी (तजुर्बा) है। नूशिन की बात करें तो बीसीसीआई अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय और घरेलू आयु वर्ग की महिला क्रिकेटरों के लिए समर्पित कर्मचारियों के साथ एक विस्तृत महिला विंग भी बनाने जा रहा है।''

उन्होंने कहा,''अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने का अनुभव काफी मायने रखता है और सुनील साक्षात्कार के लिए उपस्थित होने वालों में एकमात्र (पुरुष) टेस्ट क्रिकेटर हैं। उन्हें शीर्ष स्तर की टीमों के साथ कोचिंग का भी अच्छा अनुभव है। उन्होंने कई प्रथम श्रेणी टीमों को कोचिंग दी है, आईपीएल में कोचिंग टीम का हिस्सा रहे हैं और सीनियर पुरुष अंतरराष्ट्रीय टीम को भी कोचिंग दी है।''

अर्जन सिंह स्मारक हॉकी टूर्नामेंट का आगाज 29 अप्रैल से चंडीगढ़ में

चंडीगढ़ (एजेंसी) वायुसेना मार्शल अर्जन सिंह स्मारक हॉकी टूर्नामेंट का आयोजन यहां 29 अप्रैल से छह मई तक होगा जिसमें 12 टीमें भाग लेंगी।

'एयर मार्शल' एस शिवकुमार ने सोमवार को बताया कि बांग्लादेश की वायु सेना हॉकी टीम टूर्नामेंट में भाग लेने वाली 12 टीमों में से एक होगी।

इसमें भाग लेने वाली अन्य टीमों में भारतीय वायु सेना, चंडीगढ़ एकादश, पंजाब एवं सिंध बैंक, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, सेना एकादश, भारतीय नौसेना, भारतीय रेलवे और रेल कोच फैक्ट्री शामिल हैं।

टूर्नामेंट जीतने वाली टीम को तीन लाख रुपये की पुरस्कार राशि मिलेगी, जबकि उपविजेता टीम को 2 लाख रुपये मिलेंगे। प्रत्येक मैच के मैन ऑफ द मैच को 10,000 रुपये तथा टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को 25,000 रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा।

मैच यहां वायु सेना के 3 बेस रिपेयर डिपो स्थिति रघबीर सिंह भोला हॉकी मैदान पर लीग और नॉकआउट आधार पर खेले जाएंगे।

महान दिवंगत वायु सेना मार्शल अर्जन सिंह की स्मृति में वायु सेना खेल नियंत्रण बोर्ड वर्ष 2018 से 3 बीआरडी, वायु सेना स्टेशन चंडीगढ़ में इस प्रतिष्ठित हॉकी टूर्नामेंट का आयोजन कर रहा है।

राहुल को चौथे क्रम पर बल्लेबाजी करनी चाहिये : पीटरसन

नयी दिल्ली (एजेंसी) दिल्ली कैपिटल्स के मेंटोर (मार्गदर्शक) केविन पीटरसन का मानना है कि लोकेश राहुल अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप में भारत के लिए चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने के साथ विकेटकीपिंग करने के लिए सबसे उपयुक्त हैं।

खेल के सबसे छोटे अंतरराष्ट्रीय प्रारूप में राहुल की बल्लेबाजी को लेकर पिछले कुछ समय से सवाल उठते रहे हैं लेकिन इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मौजूदा सत्र में वह दिल्ली कैपिटल्स के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बनकर उभरे हैं। राहुल ने इस दौरान अपने खेल में थोड़ा बदलाव करते हुए बेहतर स्ट्राइक रेट से रन बनाये हैं। राष्ट्रीय टीम में विकेटकीपर-बल्लेबाज के स्थान के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा है। इसमें चयनकर्ताओं के पास राहुल के अलावा ऋषभ पंत, संजू सैमसन, ध्रुव जुरेल और ईशान किशन जैसे मजबूत विकल्प हैं।

राहुल 2022 विश्व कप के बाद से भारत की टी20 टीम का हिस्सा नहीं हैं लेकिन पीटरसन का मानना है कि उन्होंने शानदार बल्लेबाजी से अपनी वापसी का मंच तैयार किया है। वह विकेटकीपर-बल्लेबाज की भूमिका के लिए सबसे उपयुक्त हैं।

पीटरसन ने कहा, ''मैं टी20 क्रिकेट में भारत के लिए केएल (राहुल) को चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करवाऊंगा। मुझे लगता है कि आपके पास बहुत सारे सलामी बल्लेबाज हैं।'' इंग्लैंड के इस पूर्व दिग्गज ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के खिलाफ दिल्ली कैपिटल्स को मिली शिकस्त के बाद कहा, '' राहुल जिस तरह से अब क्रिकेट खेल रहे हैं, वह चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने और भारत के लिए विकेटकीपिंग करने के लिए मेरी पहली पसंद होंगे।'' राहुल ने आईपीएल में शानदार प्रदर्शन के अलावा, वनडे क्रिकेट में भारत के लिए अपने हालिया प्रदर्शन से पीटरसन को काफी प्रभावित किया है। उन्होंने कहा, '' राहुल ने पिछले साल के मध्य से लेकर आखिर तक बहुत सकारात्मक तरीके से खेला है। हमने देखा कि कैसे उसने भारत को कुछ मैच जीताये है और दुबई में चैंपियंस ट्रॉफी में भी टीम के लिए शानदार प्रदर्शन किया है।''

नाइट राइडर्स के खिलाफ बीच के ओवरों में बेहतर बल्लेबाजी पर होंगी दिल्ली कैपिटल्स की नजरें

नयी दिल्ली (एजेंसी) दिल्ली कैपिटल्स इंडियन प्रीमियर लीग में मंगलवार को यहां जब कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से भिड़ेंगे तो टीम की नजरें बीच के ओवरों में बेहतर बल्लेबाजी पर टिकी होंगी।

दिल्ली को अपने पिछले चार मैच में दो हार का सामना करना पड़ा है जिसमें रविवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ मिली हार भी शामिल है और टीम लीग चरण के अंतिम मुकाबलों में लड़खड़ाने से बचना चाहेगी।

शीर्ष क्रम में अभिषेक पोरेल ने आक्रामक तेवरों के साथ बल्लेबाजी की है लेकिन वापसी करने के बाद अनुभवी फाफ डु प्लेसी को अरुण जेटली स्टेडियम की धीमी प्रकृति की पिच पर जूझना पड़ा और उन्हें जल्द से जल्द इससे सामंजस्य बैठाना होगा। लोकेश राहुल मौजूदा सत्र में दिल्ली के सबसे सफल बल्लेबाज रहे हैं लेकिन रविवार को स्पिनरों के खिलाफ तेजी से रन जुटाने में नाकाम रहे। वह सुनील नारायण और वरुण चक्रवर्ती की अनुभवी स्पिन जोड़ी के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगे।

केकेआर के पास स्तरीय स्पिनर हैं जो मेजबान टीम को कड़ी चुनौती पेश कर सकते हैं। पंजाब किंग्स के खिलाफ वर्षा से प्रभावित मैच में जूझने के बाद नाइट राइडर्स का आत्मविश्वास थोड़ा कम होगा।

दिल्ली को करुण नायर से भी अच्छी पारी

की उम्मीद होगी जिससे कि मध्य क्रम में सारा बोझ राहुल पर नहीं आए।

गेंदबाजी विभाग में दिल्ली के कप्तान अक्षर पटेल ने पिछले मैच में दो विकेट चटकाए लेकिन उन्हें दूसरे छोर से समर्थन नहीं मिला।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ विकेट चटकाने में नाकाम रहे स्टार तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क अपनी पूर्व टीम केकेआर की कमजोरी का फायदा उठाने की कोशिश करेंगे जबकि बीच के ओवरों में कुलदीप यादव ने लगतार अच्छा प्रदर्शन किया है। दिल्ली को अपने क्षेत्ररक्षण में भी सुधार करना होगा। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ पोरेल ने कृणाल पंड्या का महत्वपूर्ण विकेट गंवाया।

केकेआर के अभी सिर्फ सात अंक हैं और टीम तालिका में सातवें स्थान पर चल रही है। टीम अपने पिछले तीन मैच में जीत दर्ज करने में नाकाम रही है जिसमें दो में उन्हें हार मिली और एक मैच बेनतीजा रहा। केकेआर को प्ले ऑफ में जगह बनाने की उम्मीद जीवंत रखने के लिए यह मुकाबला जीतना होगा क्योंकि दिल्ली के बाद हार से उसकी प्ले ऑफ में जगह बनाने की राह काफी मुश्किल हो जाएगी।

टीम को विभिन्न विभागों में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पारी का आगाज करने का मौका नारायण के साथ क्विंटन डिकॉक और राहमानुल्लाह गुरबाज को मिला है। टीम रन बनाने के लिए रहाणे और युवा अंगकृष रघुवंशी पर काफी अधिक निर्भर है। मध्यक्रम में वेंकटेश अय्यर, आंद्रे रसेल, रिंकू सिंह और रमनदीप सिंह अधिक प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं।

टीम इस प्रकार हैं: दिल्ली कैपिटल्स: अक्षर पटेल (कप्तान), जेक फ्रेजर-मैकगर्क, अभिषेक पोरेल, करुण नायर, लोकेा राहुल, ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा, विपराज निगम, मिचेल स्टार्क, कुलदीप यादव, मोहित शर्मा, मुकेश कुमार, समीर रिज्वी, दर्शन नालकंडे, डोनोवन फरेरा, त्रिपुराना विजय, दुष्मंता चमीरा, फाफ डु प्लेसी, टी नटराजन, अजय जाधव मंडल, मनवंत कुमार एल और माधव तिवारी।

कोलकाता नाइट राइडर्स: अजिंक्य रहाणे (कप्तान), रिंकू सिंह, क्विंटन डिकॉक, रहमानुल्लाह गुरबाज, अंगकृष रघुवंशी, रोवमैन पावेल, मनीष पांडे, लवनिथ सिसोदिया, वेंकटेश अय्यर, अनुकूल रॉय, मोईन अली, रमनदीप सिंह, आंद्रे रसेल, एनरिक नोर्किया, वैभव अरोड़ा, मयंक मारकंडे, स्पेंसर जॉनसन, हर्षित राणा, सुनील नारायण, वरुण चक्रवर्ती और चेतन सकारिया।

अदिति शेवरॉन चैंपियनशिप में संयुक्त 62वें स्थान पर रही

द वुडलैंड्स (टेक्सास) (एजेंसी) भारतीय गोल्फर अदिति अशोक यहां शेवरॉन चैंपियनशिप के चौथे दौर में पार 72 का कार्ड खेलने के बाद संयुक्त रूप से 62वें स्थान पर रही।

अदिति ने इस दौरान 72-74-77-72 के कार्ड के साथ कुल सात ओवर 295 का स्कोर बनाया। उन्होंने आखिरी दौर में दो बोगी के मुकाबले दो बर्डी लगाये। उन्होंने दूसरे और सातवें होल में बोगी किया लेकिन तीसरे और 12वें होल में बर्डी के बूते पार कार्ड खेला।

जापान की माओ सैगो ने प्लेऑफ में कोरिया की ह्यो जू किम, चीन की रुओनिंग यिन और अमेरिका की लिंडी डंकन को पछाड़ कर खिताब जीता।

लाहिड़ी एलआईवी मैक्सिको में संयुक्त 22वें स्थान पर रहे, नीमैन बने चैम्पियन

मैक्सिको सिटी (एजेंसी) भारतीय गोल्फर अनिर्बान लाहिड़ी अंतिम दौर में दो ओवर 73 का कार्ड खेल कर एलआईवी गोल्फ मैक्सिको सिटी में संयुक्त 22वें स्थान पर रहे। लाहिड़ी ने इससे पहले 68 और 71 का कार्ड खेला था। जोआकिन नीमैन ने 65 का कार्ड खेल पहली बार अपने देश चिली से बाहर बड़ा खिताब जीता। शुरुआती दो दौर में 68 और 64 का कार्ड खेलने वाले इस खिलाड़ी का यह मौजूदा सत्र का तीसरा खिताब है।

आध्यात्मिक गुरु की भूमिका में नजर आएंगे विक्रांत मैसी

एक्टर विक्रांत मैसी जल्द ही बड़े पर्दे पर वापसी करेंगे। अपनी नई फिल्म में वो आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर का किरदार निभाते नजर आएंगे। फिल्म व्हाइट एक ग्लोबल थ्रिलर होगी, जो कोलंबिया 52 साल लंबे चले खूनी गृहयुद्ध को दिखाई। फिल्म में दिखाया जाएगा कि कैसे श्री रविशंकर ने उसे सुलझाया था। फिलहाल कोलंबिया में फिल्म का प्री-प्रोडक्शन जोरों से चल रहा है। इसी साल जुलाई से इसकी शूटिंग शुरू होने वाली है। व्हाइट को जानेमाने ऐड फिल्ममेकर मंटू बासी डायरेक्टर करेंगे। फिल्म को पठान, वार जैसी फिल्म बनाने वाले सिद्धार्थ आनंद, महावीर जैन और पीसक्राफ्ट पिक्चर्स के साथ मिलकर बनाएंगे।

खबरों की मानें तो श्री रविशंकर के रोल के लिए विक्रांत ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी है। श्री रविशंकर की तरह दिखने के लिए एक्टर ने अपने वजन और बालों को बढ़ाया है। इसके अलावा वो आध्यात्मिक गुरु की बॉडी लैंग्वेज जानने के लिए उनसे से मिले थे और उनके वीडियो देखते हैं। बता दें कि 12वी फेल और द साबरमती रिपोर्ट जैसी फिल्मों से अपनी पहचान बना चुके एक्टर विक्रांत मैसी ने पिछले साल दिसंबर में एक्टिंग से ब्रेक लेने का ऐलान किया था। इसकी जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दी थी। एक्टर ने अपने पोस्ट में लिखा था अब घर वापस जाने का समय आ गया है। विक्रांत ने अपनी पोस्ट में लिखा है, हैलो, पिछले कुछ साल और उसके बाद के साल शानदार रहे हैं। मैं आपके लगातार समर्थन के लिए आप सभी का धन्यवाद करता हूं, लेकिन जैसे-जैसे मैं आगे बढ़ता हूं, मुझे यह एहसास हुआ है कि अब खुद को फिर से संतुलित करने और घर वापस जाने का समय आ गया है। एक पति, पिता, बेटे और अभिनेता के रूप में भी, तो 2025 में हम आखिरी बार एक-दूसरे से मिलेंगे। हालांकि 24 घंटे के अंदर ही उन्होंने एक्टिंग छोड़ने की अटकलों को खारिज कर दिया था। उन्होंने इस पर सफाई देते हुए कहा कि लोग मेरी बात को ठीक से समझ नहीं पाए। मैं थोड़ा थक गया हूं और कुछ दिन फैमिली के साथ बिताना चाहता हूं।

नारीवाद को लेकर अभिनेत्री मालविका मोहनन ने रखे विचार

साउथ ही नहीं बॉलीवुड फिल्मों में भी अभिनय कर चुकी अभिनेत्री मालविका मोहनन ने सिनेमा की दुनिया में नारीवाद को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि नारीवाद का मतलब है समानता। अभिनेत्री मालविका मोहनन ने हॉटरफ्लाई को दिए इंटरव्यू में फिल्म इंडस्ट्री में महिला और परुषों की समानता के बारे में बात की। एक्ट्रेस से जब नारीवाद को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने इसके जवाब में कहा कि नारीवाद के बारे में लोग कई तरह का मतलब निकालते हैं। ऐसा कुछ नहीं है इसका सीधा सा मतलब है पुरुषों और महिलाओं में समानता। महिलाओं को सभी अधिकार मिलने चाहिए और उन्हें भी समान दृष्टि से देखा जाना चाहिए। अभिनेत्री ने सभी से समानता की उम्मीद जताई

आगे बातचीत में अभिनेत्री ने कहा कि वह उम्मीद करती है कि लोग महिलाओं और पुरुषों को समान रूप से देखेंगे और इसे अपने जीवन में शामिल करेंगे। इसके अलावा एक्ट्रेस ने महिलाओं के बारे में बात करते हुए कहा कि उनके साथ कॉलेज के दौरान कई लड़कियां पढ़ती थीं, लेकिन वो आज इंडस्ट्री में नहीं दिखती। इस बात पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें काम करने का मौका मिलना चाहिए और उनके लिए सुरक्षा जैसे मानकों पर इंडस्ट्री को ध्यान देना चाहिए।

मालविका मोहनन का वर्कफ्रंट

मालविका मोहनन के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह 'बाहुबली' फेम अभिनेता प्रभास के साथ फिल्म 'राजा साहब' में नजर आएंगी। इसके अलावा कार्थी के साथ भी एक फिल्म 'सरदार 2' में नजर आएंगी। साथ ही वह इस समय मलयालम फिल्म 'हृदयपूर्वम' में मोहनलाल के साथ अभिनय कर रही हैं। मालविका और मोहनलाल के बीच उम्र का बहुत बड़ा अंतर है, जहां मालविका 31 वर्ष की हैं, तो मोहनलाल 64 साल के हैं। मोहनलाल के साथ फिल्म करके मालविका काफी खुश हैं।

पलक तिवारी ने सलमान खान से सीखा जरूरी सबक

श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी ने 2023 में सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान से अभिनय करियर की शुरुआत की थी। सलमान खान के साथ काम करने के दौरान पलक ने उनसे काम और निजी जिंदगी के बीच संतुलन बनाना सीखा। बातचीत में पलक ने सलमान खान के साथ अपने अभिनय करियर की शुरुआत के बारे में बात की। पलक ने बताया कि सुपरस्टार ने उन्हें बताया सुबह 5 बजे तक पार्टी करो, सुबह 7 बजे शूटिंग करो। पलक का सलमान के साथ बचपन से रिश्ता है। पलक सलमान को तब से जानती हैं, जब श्वेता तिवारी बिग बॉस 4 में आई थीं। इस दौरान छोटी पलक अपनी मां का साथ देने के लिए सेट पर गई थीं। तब पलक आठ साल की थीं। किसी का भाई किसी की जान के ट्रेलर लॉन्च के दौरान, सलमान ने कहा मैंने बिग बॉस में उसकी (पलक) मां के साथ काम किया था।पलक ने बताया कि उनकी मां श्वेता उनकी मार्गदर्शक हैं। उन्होंने कहा वह मेरी फिल्टर हैं। जब मैं अभिनय के बारे में नहीं समझ पाती हूं, तो वह मुझे समझातीं हैं।

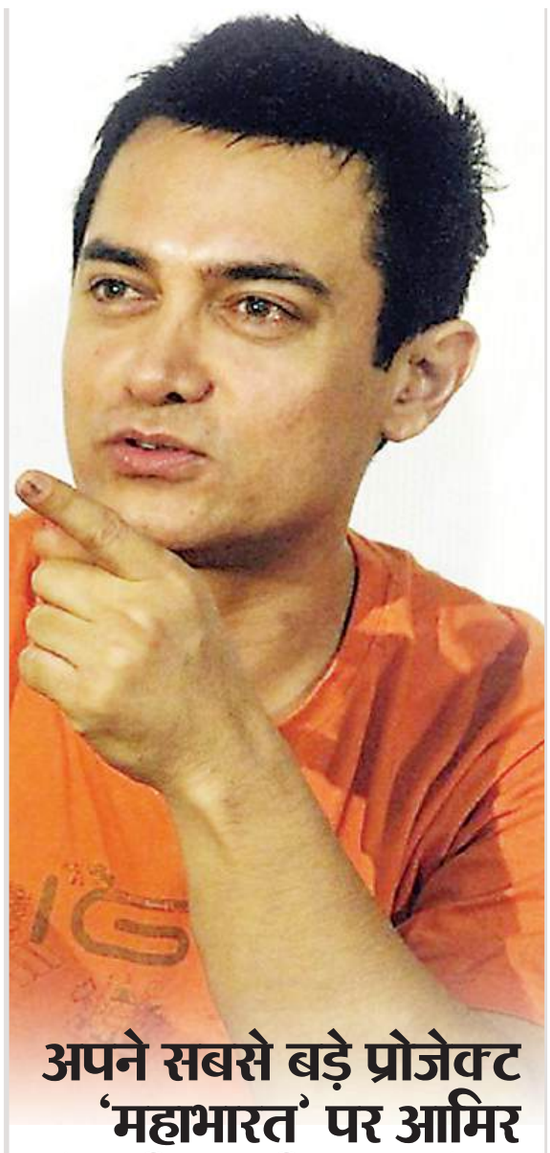

अपने सबसे बड़े प्रोजेक्ट 'महाभारत' पर आमिर ने दी बड़ी अपडेट

अभिनेता आमिर खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'सितारे जमीन पर' को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। इस फिल्म को लेकर लगातार नई-नई अपडेट सामने आ रही हैं। वहीं पिछले काफी वक्त से आमिर खान के भारत के सबसे बड़े महाकाव्य 'महाभारत' को बनाने की भी चर्चाएं हो रही हैं। आमिर इस बड़े प्रोजेक्ट को पर्दे पर उतारने की लगातार कोशिश में लगे हैं। हाल ही में आमिर खान ने अपने आगामी बड़े प्रोजेक्ट्स को लेकर बात की, जिनमें वो बतौर निर्माता भी नजर आएंगे।

महाभारत पर काम शुरू करेंगे आमिर

हाल ही में हॉलीवुड रिपोर्टर के साथ बातचीत में आमिर खान ने बताया कि अब वो उस फिल्म पर नजर रख रहे हैं जिसे वे अपनी सबसे बड़ी महत्वाकांक्षाओं में से एक कहते हैं। अभिनेता ने कहा, मुझे इस साल इस पर काम शुरू करने की उम्मीद है। ऑस्कर विजेता लॉर्ड ऑफ द रिंग्स ट्रियोलॉजी की तरह महाभारत एक मल्टी-फिल्म रूपांतरण होगा। इसमें कुछ समय लगेगा क्योंकि स्क्रिप्टिंग में कुछ साल लगेंगे। हालांकि, आमिर ने ये भरोसा जरूर जताया कि फैंस इस प्रोजेक्ट को इस साल शुरू होते देख सकते हैं। वहीं फिल्म में खुद एक्टिंग करने के सवाल पर आमिर ने अभी ये तय नहीं किया कि वो इस फिल्म में अभिनय करेंगे या नहीं। उनका कहना है कि हम देखेंगे कि हमें किस भूमिका के लिए कौन उपयुक्त है।

कई पार्ट्स में बनेगी महाभारत

महाभारत जैसी फिल्म का निर्देशन क्या आमिर खुद करेंगे या इसकी जिम्मेदारी किसी और को मिलेगी। इस पर अभिनेता ने कहा, महाभारत के विशाल स्तर को एक बड़े और व्यापक नजरिए की जरूरत है। मुझे नहीं लगता कि आप महाभारत को एक फिल्म में बता सकते हैं, इसलिए यह कई फिल्मों में होगी। मैं बड़े पैमाने पर देख रहा हूं। चूंकि यह कई पार्ट्स में सामने आएगी, इसलिए यह कहना जल्दबाजी होगी कि मैं इसका निर्देशन करूंगा या नहीं। मुझे लगता है कि हमें कई निर्देशकों की आवश्यकता हो सकती है।

पिछले कई सालों से इस पर काम कर रहे आमिर

आमिर खान पिछले कई वर्षों से अपने इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट पर विचार कर रहे हैं और इसे बनाने का प्रयास कर रहे हैं। 2018 में वापस यह बताया गया था कि अभिनेता राकेश शर्मा की बायोपिक से बाहर निकल गए ताकि वह इस फिल्म पर काम कर सकें, जिसके बारे में अफवाह थी कि यह 1000 करोड़ रुपये के बजट पर बनाई जाएगी। हालांकि, बीच में लाल सिंह चड्ढा के फ्लॉप होने के बाद ऐसी भी खबरें आई थीं कि आमिर ने महाभारत को लेकर अपना आइडिया ड्रॉप कर दिया है। लेकिन अब आमिर ने इसके बारे में ताजा अपडेट देकर ये साफ कर दिया है कि आमिर अभी भी इस बड़े प्रोजेक्ट पर विचार कर रहे हैं।

टूटे हुए रिश्तों पर श्रुति हासन ने बयां किया दर्द, बोलीं रिलेशनशिप ने काफी कुछ सिखाया

श्रुति हासन ने हाल ही में अपने करियर, पर्सनल लाइफ को लेकर कई बातें साझा कीं। इस दौरान अपने टूटे हुए रिलेशनशिप पर भी वह बोलीं। अपने रिश्तों के बिखरने के लिए वह किसे जिम्मेदार मानती हैं? रिश्तों के टूटने पर श्रुति की जिंदगी पर क्या असर होता है?

हाल ही में फिल्मफेयर से की गई बातचीत में श्रुति हासन ने बताया कि जब भी उनका कोई रिश्ता खत्म होता है तो वह कोई पछतावा नहीं रखती हैं। वह कहती हैं, 'मैंने रिश्ते में अपना बेस्ट दिया था। लोग पूछते हैं कि कौन सा बॉयफ्रेंड है? लोगों के लिए यह नंबर हो सकता है लेकिन मेरे लिए यह वो नंबर है, जब मैं किसी रिलेशनशिप में फेल हुई।'

रिलेशनशिप ने काफी कुछ सिखाया

श्रुति आगे कहती हैं, ' मैं टूटे हुए रिश्ते में दूसरे व्यक्ति को भी दोष नहीं देती हूं। मैं मानती हूं कि इन रिश्तों ने मुझे मेरे बारे में काफी कुछ बताया है, सिखाया है। पैरेंट्स के बाद आपका कोई रिलेशनशिप ही आपके सबसे ज्यादा क्लोज होता है।'

श्रुति हासन के करियर फ्रंट की बात करें तो वह इस साल दो तमिल फिल्मों में नजर आएंगी। एक फिल्म रजनीकांत की 'कुली' है, वहीं दूसरी फिल्म का नाम 'ट्रेन' है। वह प्रभास के साथ एक फिल्म सालार 2 भी कर रही हैं, इस फिल्म को लेकर काफी चर्चा है। श्रुति हासन एक्टिंग के अलावा बतौर सिंगर भी काम करती हैं, उनका अपना एक म्यूजिक बैंड भी है, स्टेज पर लाइव परफॉर्मेंस भी देती हैं।

मुझे प्यार हो जाए तो मंदिर में शादी कर लूं, बहुत खलता है जब लोग सवाल उठाते हैं

लव सेक्स और धोखा से अपने करियर की शुरुआत करने वाली नुसरत भरूचा को प्यार का पंचनामा और सोनू के टीटू की स्वीटी में काफी पसंद किया गया। मगर बहुत जल्द ही नुसरत जनहित में जारी है, अकेली और छोरी जैसी फिल्मों से महिला मुद्दों को आगे ले जाने वाली हीरोइन बन गईं। इन दिनों वह अपनी हॉरर फिल्म छोरी 2 को लेकर चर्चा में हैं, जो महिलाओं से जुड़ी कुरीतियों पर आधारित है। यहां नुसरत करियर, सोशल मीडिया, हॉरर जॉनर के अलावा महिला मुद्दों पर बेबाक होकर बात करती हैं।

फिल्में में विविधरंगी भूमिकाएं हों या ओटीटी पर अजीब दास्तांस जैसी शॉर्ट फिल्में नुसरत भरूचा ने हर जगह अपने एक्टिंग टैलेंट का परिचय दिया। आज वह कई अन्य एक्ट्रेसेस की तरह नायिका प्रधान प्रोजेक्ट्स का हिस्सा हैं।

मुझे प्यार हो जाए, तो मंदिर में शादी कर लूं

नुसरत की फिल्में जनहित में जारी हो या अकेली या फिर फिल्म छोरी 2 हमेशा महिला मुद्दों की बात करती है, मगर उनको निजी तौर पर लड़की होने के नाते क्या बात परेशान करती है? इस सवाल पर वह कहती हैं, लड़की होने के नाते मुझे बहुत सारी बातें परेशान करती हैं, मगर मेरी जिंदगी की लड़ाई भी नहीं कह सकती मगर एक संघर्ष कहूं या फिर लगातार होने वाली बात है, जो मैं सालों से सुन रही हूं कि शादी कर लो, सेटल हो जाओ। गृहस्थी बसा लो। अब इस घर में मैं रह रही हूं। ये मेरा अपना घर है। मैं अपने पैरेंट्स की देखभाल कर ही रही हूं, तो ऐसा क्या है, जो मैं सेटल नहीं हूं। लोगों को को ऐसा क्यों लगता है कि मुझे शादी करके पति का घर संभाल कर उसकी चीजें करके ही सेटलमेंट का अहसास होगा। और उसी से सोसाइटी में लोगों को लगेगा कि सब ठीक है। अब ये सेटल है। मैं शादी के खिलाफ नहीं हूं। अगर मुझे कल को कोई अच्छा लड़का मिल जाए, तो कल कर लूंगी। मुझे प्यार हो जाए, तो मैं मंदिर में जाकर शादी कर लूं। मगर जब लोग मुझसे कहते हैं, अभी तक शादी नहीं हुई?, अकेली रहती हो? अच्छा ! ये नजरिया जो है, वो बहुत खलता है।

सोशल मीडिया आज हमारे लिए भस्मासुर बन गया है

इसमें कोई दो राय नहीं कि आज सोशल मीडिया हमारे लिए जितना जरूरी है, उतना ही हम उसके चंगुल में फंसकर धंसते जा रहे हैं। सोशल मीडिया के मुद्दे पर नुसरत कहती हैं, सच कहूं, तो हमने भ्रूण हत्या जैसी कुप्रथा पर छोरी बनाई, मगर मुझे लगता है कि सालों बाद हम सोशल मीडिया के इविल प्रैक्टिस पर फिल्म बनाएंगे। हमने इसे बनाया है और अब ये हमारे लिए एक भस्मासुर की तरह हो गया है। इंस्टाग्राम पर मैं बहुत ही दुखद चीजें सुनती रहती हूं कि लोग डिप्रेशन में हैं, अपनी जान लेना चाहते हैं। मतलब मैं क्या कहूं? कई इंटरव्यूज में मुझसे पूछा जाता है कि क्या मैं कमेंट्स पढ़ती हूं? तो कई बार पढ़ती हूं, वो इतने रैंडम होते हैं कि मुझे लगता है कि लोगों के पास कोई काम ही नहीं है। उनकी सोच सालों बाद भी कितनी ओछी है। मुझे डर लगता है कि आज अगर ऐसा है, तो ये सोशल मीडिया और इंटरनेट आगे कहां-कहां जाएगा? मैं तो नोकिया फोन लेना चाहूंगी, जिसका इस्तेमाल सिर्फ फोन करने के लिए किया जाता था। मगर क्या कहूं, आज मैं खुद वायरिज्म (इंटरनेट) का हिस्सा हूं। मैंने सालों पहले एलएसडी (लव सेक्स और धोखा) जैसे फिल्म की थी, जो इंटरनेट के शिकार पर आधारित थी और आज तो हम हद पार करते जा रहे हैं।

...तब डर के मारे मैं भाग गई

हॉरर फिल्मों का हिस्सा होने के नाते क्या आपने कभी भूत-प्रेत जैसा कोई अनुभव या फिर नेगेटिव एनर्जी महसूस की है? इस सवाल पर वह कहती हैं, मैं जब मंदिर जाती हूं या नमाज पढ़ती हूं, तो मुझे एक दिव्य और कनेक्शन वाला अहसास होता है। मुझे याद है, जब मैं केदारनाथ में थी, तो ऊपर जाकर हालांकि बहुत शोर था, मगर मुझे सिर्फ हवा की आवाज आ रही थी। उस वक्त मुझे अहसास हुआ कि एक हायर पावर से मेरा रूहानी रिश्ता स्थापित हुआ।उसी तरह से मैंने दुष्ट आत्माओं को भी महसूस किया है। हालांकि मेरे साथ कोई बुरा अनुभव नहीं हुआ। हां, मैं दिल्ली के एक होटल रूम में थी, तो रात को मेरा सामान ऊपर था, मगर जब मैं सुबह उठी, तो मैंने देखा कि मेरा सामान नीचे करीने से रखा हुआ है। उस वक्त मुझे लगा था कि उस कमरे में कुछ तो यकीनन था। मैं डर के मारे उस कमरे से भाग गई। मैं इतना जरूर कह सकती हूं कि अगर भगवान है, तो शैतान भी है।

स्वामिधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक सुषमा शर्मा द्वारा दिव्य ऑफसेट प्रिंटर्स, बी-1422 दुर्गा मंदिर, न्यू अशोक नगर, नई दिल्ली-110096 से मुद्रित कराकर बी-5/184, रोहिणी सेक्टर-11 नई दिल्ली से प्रकाशित।
*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत समाचारों के चयन एवं प्रकाशन के उत्तरदायी। RNI No-DELHI/2013/49678, संपर्क 8826286868,9213772002, 9971846109, 011-49846988